RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
33.0°C	26.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:57 AM	7:06 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 32 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, रविवार 16 अगस्त, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

ड्रोन से हाइपरसोनिक तक, पीएम मोदी ने बताया 'सुदर्शन चक्र' का पूरा प्लान

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीक का ग्लोबल सप्लायर बनना चाहिए। पीएम ने अपने भाषण में कहा कि 'रक्षा शक्ति' विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने की कुंजी है। बदलते समय में स्वदेशी रक्षा उपकरणों और सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'मिशन सुदर्शन चक्र' पर तेजी से काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए सिविल डिफेंस की एक बड़ी वॉलंटरी फोर्स बनाई जाएगी। दरअसल, 'रक्षा शक्ति' उन सात तरह की ताकतों में से एक है, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किया है। दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया और भारत से अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीकों का ग्लोबल सप्लायर बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का कोई विकल्प नहीं है। जब दुनिया भर के देश तेजी से अपने हितों के बारे में सोच रहे हैं, तो भारत सिर्फ दुनिया के लिए एक बाजार बनकर नहीं रह सकता। हमें ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम विकसित करने होंगे और हाइपरसोनिक रक्षा तकनीकों में नेतृत्व करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने के सरकार के संकल्प को दोहराते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश को अब दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दुनिया में ऐसी कई चीजें उपलब्ध हो सकती हैं जो सस्ती हों और जल्दी मिल सकती हों, लेकिन उन पर निर्भर रहने से न तो हमारी अपनी क्षमताएं बनती हैं और न ही हमारी क्षमताओं की मजबूती की परख होती है। इसलिए हमें अपनी क्षमताओं को मजबूत करना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी। इसीलिए हम 'आत्मनिर्भर भारत' के पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारतीयों के दिल 'मेक इन इंडिया', 'स्वदेशी' और 'वोकल फ़ॉर लोकल' जैसी पहलों से जुड़ रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा भी रक्षा का एक ऐसा क्षेत्र है, जहां देश युवाओं की क्षमताओं का इस्तेमाल देश और दुनिया के फायदे के लिए कर सकता है। पीएम मोदी ने बदलते समय में तैयार रहने के लिए रक्षा बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ स्वदेशी रक्षा उपकरणों पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आज युद्ध का तरीका बदल रहा है, अब इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि टकराव सिर्फ सीमाओं तक ही सीमित रहेगा। आधुनिक युद्ध में रिफाइनरी, बैंकिंग सेक्टर या डेटा सेंटर को निशाना बनाया जा सकता है। एक तरह से यह लड़ाई का नया रूप है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर और कारखानों को नष्ट किया जा रहा है। हमने कुछ साल पहले मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा की थी और इस पर तेजी से काम चल रहा है।' पिछले 12 सालों में रक्षा क्षेत्र में आए बदलावों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा उत्पादन लगभग चार गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात में लगभग 50 गुना वृद्धि हुई है और भारतीय हथियार लगभग 100 देशों तक पहुंच रहे हैं। चाहे चुनौती देश के भीतर हो या सीमाओं के पार, भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा धीरे-धीरे बढ़ रही है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक सुरक्षित भारत का निर्माण हर नागरिक की जिम्मेदारी है और उन्होंने उभरते खतरों से निपटने के लिए बेहतर तैयारी का आह्वान किया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत जोधपुर दौरे पर, संयुक्त सम्मान समारोह में भी होंगे शामिल

जोधपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत शनिवार की रात जोधपुर पहुंचेंगे, जहां रविवार को अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान वह जोधपुर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जेएनएलयू), राजस्थान हाईकोर्ट और जिला न्यायालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा शहर की दो प्रमुख बार एसोसिएशनों द्वारा आयोजित संयुक्त सम्मान समारोह में भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार, सीजेआई के दौरे को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट, जिला न्यायपालिका, वकीलों और विधि शिक्षा से जुड़े लोगों में काफी उत्साह है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत रविवार की सुबह 11:30 बजे जेएनएलयू के 25वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होकर अपने कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद दोपहर 12:15 बजे वह 'लीगल टेक्नोलॉजी एंड एथिक्स रोडमैप' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे और वाइस चांसलर्स कॉन्क्लेव 2.0 में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इन कार्यक्रमों में कानूनी शिक्षा और न्याय व्यवस्था में तकनीक, नैतिकता और नवाचार की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की जाएगी। दौरे के दौरान सीजेआई जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के नए गेस्ट हाउस का शिलान्यास भी करेंगे।

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री का बड़ा तोहफा, आशा सहयोगिनियों के मानदेय में 10% बढ़ोतरी

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन, समृद्ध राजस्थान' राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं और बाल विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने आशा सहयोगिनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा करते हुए रक्षाबंधन के अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और साथिनों को 1100-1100 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। कुल 14.65 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और साथिन बहनें 'सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन और समृद्ध राजस्थान' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश की हर बेटी को पोषण, शिक्षा और विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत 74 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की गई। इनमें आंगनबाड़ी कर्मियों की यूनिफॉर्म के लिए 13.41 करोड़ रुपये, सीबीई एवं डाटा प्लान के लिए 16.77 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 23.43 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना में 6.36 करोड़ रुपये तथा लाडो प्रोत्साहन योजना में 14.75 करोड़ रुपये शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा राजस्थान बनाना है, जहां हर बेटी को अवसर और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिले तथा हर बच्चे को पर्याप्त पोषण प्राप्त हो।

देवेंद्र महतो को तिरंगा यात्रा में शामिल होने से रोका गया, छात्र नेता बोले- अपराधी जैसा व्यवहार कर रही पुलिस

रांची। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) और झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर झारखंड में चल रहा आंदोलन शनिवार को 22वें दिन भी जारी रहा। इस बीच, छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की रांची के हॉस्पिटल में पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस ने उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर एक स्टेडियम में तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए हॉस्पिटल से बाहर जाने से रोक दिया। महतो ने दावा किया कि झड़प के दौरान उनके सीने में चोट लगी। बताया गया कि सदर अस्पताल में देवेंद्र नाथ महतो के कमरे के बाहर भारी पुलिस तैनात की गई थी, क्योंकि वह जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में तिरंगा यात्रा में शामिल होना चाहते थे। छात्र नेता महतो स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने और तिरंगा यात्रा में हिस्सा लेने की परमिशन मांग रहे थे।

अंकिता भंडारी के परिवार से मिले राहुल गांधी, BJP पर लगाया गंभीर आरोप

देहरादून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी अपराधियों को संरक्षण देने की 'विकृत मानसिकता' रखती है। दरअसल, राहुल गांधी ने दो दिन पहले अंकिता भंडारी के परिवार से मुलाकात की थी। इसके बाद शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया और कहा कि अंकिता भंडारी के परिवार से 2 दिन पहले मिला। चार साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी वो न्याय का इंतजार कर रहे हैं। अपनी बच्ची के खिलाफ एक ऐसे अपराध के लिए जिसकी कोई माफी नहीं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है, 'सिर्फ 19 साल की अंकिता वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थीं, जहां एक VIP मेहमान की शर्मनाक मांग का विरोध करने पर चीला नहर में डुबो कर उनकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने हिंसा और डुबोने के सबूतों की पुष्टि भी की। मगर, रिजॉर्ट में अंकिता के रूम को किसी भी तरह की जांच होने से पहले ध्वस्त कर दिया गया, जो खुद में संदेहपूर्ण है। इस दुखद मामले में सबसे शर्मनाक बात है कि राज्य सरकार खुद आज तक उस VIP को संरक्षण दे रही है। क्यों? क्योंकि वह BJP-RSS का बड़ा नेता है।' राहुल गांधी ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'यही BJP की विकृत मानसिकता है। बलात्कारियों और अपराधियों को बचाना, उनका राजनीतिक संरक्षण करना, यहां तक कि बलात्कार के दोषियों का फूल-मालाओं से स्वागत करना। दुनिया में सबसे घिनौने इंसान वो होते हैं, जो बलात्कारियों की रक्षा करते हैं और BJP में ऐसे लोगों की भरमार है।' उन्होंने कहा कि भारत तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक महिलाओं को पुरुषों के इस्तेमाल की वस्तु समझने वाली यह अमानवीय मानसिकता खत्म नहीं होती। भारत तभी आगे बढ़ेगा, जब भारत की महिलाएं आगे बढ़ेंगी- सम्मान, सुरक्षा, समानता और न्याय के साथ।

झारखंड के लातेहार में भीषण सड़क हादसा, ऑटो-कंटेनर की टक्कर में 7 लोगों की मौत

झारखंड। झारखंड के लातेहार जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। हादसा चंदवा थाना क्षेत्र की डेढ़टंगवा घाटी के पास हुआ, जहां ऑटो और कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। हादसे में सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों में ऑटो पर सवार 5 लोगों के अलावा 2 बाइक सवार भी शामिल हैं। मृतकों की पहचान शुरू कर दी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ऑटो और कंटेनर की भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में मदद की। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। हादसे में घायल लोगों को भी नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी पुलिस और प्रशासन की ओर से जुटाई जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा किस वजह से हुआ। पुलिस की प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार, सड़क की स्थिति या वाहनों के बीच अचानक हुई भिड़ंत समेत कई पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है और घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए जा रहे हैं। एक साथ सात लोगों की मौत की खबर से इलाके में शोक की लहर है। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजनों में भी कोहराम मच गया। प्रशासन की ओर से मृतकों की पहचान और परिजनों को सूचना देने की कार्रवाई की जा रही है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना से जुड़े साक्ष्यों को जुटाना शुरू कर दिया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य किया गया।

बाढ़ के हालात गंभीर, 2.7 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, 95,206 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया

भुवनेश्वर। ओडिशा में बाढ़ के हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। राज्य की कुछ प्रमुख नदियों में पानी का स्तर कम होने लगा है, लेकिन कई इलाके अभी भी जलमग्न हैं और हजारों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस बीच कम दबाव के कारण हो रही लगातार बारिश से राज्य के कई हिस्सों में हालात खराब हैं, जिससे शनिवार को कई जगहों पर जलभराव हो गया। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) के ऑफिस के तहत राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ से छह जिले, 52 ब्लॉक, 227 ग्राम पंचायतें और 503 गांव प्रभावित हुए हैं, जिससे लगभग 2,70,212 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित जिला आपातकालीन संचालन केंद्रों (डीईओसी) के साथ मिलकर स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, जिसमें मयूरभंज, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर और केंदुझार पर खास ध्यान दिया जा रहा है। एसईओसी की रिपोर्ट में कहा गया है, 'आज तक 95,206 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है और 226 शेल्टर होम में रखा गया है, जहां साफ-सुथरा और पका हुआ खाना, पीने का साफ पानी, साफ-सफाई, रोशनी और मेडिकल सुविधाएं जैसी जरूरी चीजें उपलब्ध कराई जा रही हैं।'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उत्कृष्ट योगदान एवं सराहनीय सेवा के लिए प्रदान किए पदक, योग्यता प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र

बीकानेर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 80वें स्वतंत्रता दिवस राज्य स्तरीय समारोह में प्रशासन, पुलिस सहित राजकीय सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों को पदक, योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए। साथ ही, समाज सेवा, लोक कलाओं, पर्यावरण एवं खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कंपनी कमाण्डर, आरएसी भंवर सिंह (सेवानिवृत्त) एवं उपनिरीक्षक एजीटीएफ नरेन्द्र सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। साथ ही, उप महानिरीक्षक मनीष अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह सागर, चैन सिंह महेचा, वृत्ताधिकारी कैलाश चन्द्र खटीक, पुलिस निरीक्षक सवाई सिंह, प्लाटून कमाण्डर सहीराम, उप निरीक्षक जसवंत राम एवं देवी सिंह, सहायक उप निरीक्षक भोजराज सिंह, हैण्ड कान्स्टेबल कानाराम जाखड़, देवकरण, गिरधारी लाल एवं श्री तलसाराम, कान्स्टेबल सुरेन्द्र सिंह एवं तेजाराम को पुलिस पदक से सम्मानित किया। साथ ही, उपाधीक्षक कारागार रमाकांत शर्मा को विशिष्ट सेवा पदक एवं अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय योगेश तेजी, कारापाल लोकोज्जवल सिंह तथा सुगर सिंह गुर्जर को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया। उन्होंने जिला कलक्टर अजमेर लोक बंधु, संयुक्त शासन सचिव वित्त देवेन्द्र अरोड़ा, वरिष्ठ उप सचिव राजेश, संयुक्त निदेशक रणवीर सिंह एवं नवरेखा, सिस्टम एनालिस्ट रितिका पण्ड्या, प्रोग्रामर राकेश आलोरिया, सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय सुरेश कुमार जांगिड़, सूचना सहायक दिनेश कुमार सावलानी को योग्यता प्रमाण-पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री ने डॉ. जगमोहन माथोड़िया को चित्रकला, डॉ. अरविंदर सिंह को समाजसेवा, दीप सिंह शेखावत को जल संरक्षण, सुधीश कुमार शर्मा समाजसेवा, सेवा राम को कुरजां पक्षी संरक्षण, बादशाह मियां को शिल्प कला, मनस्वी अग्रवाल को पर्वतारोहण एवं सृष्टि अरोड़ा को पैरा शूटिंग के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने सम्मानित अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सम्मान निष्ठा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का उत्साह बढ़ाते हैं।

फ्री ऑनलाइन कोचिंग का पीएम मोदी ने किया ऐलान

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर युवाओं और छात्रों के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। इनमें मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग और युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ट्रेनिंग देने की योजना को लेकर छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। छात्रा काव्या प्रसाद ने ऑनलाइन शिक्षा को लेकर की गई घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने ऑनलाइन शिक्षा को लेकर जो बात की है, वह काफी अच्छी पहल है। इससे उन कई बच्चों को फायदा होगा जो गरीब हैं और दूरस्थ इलाकों में रहते हैं और आसानी से शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते। अब वे आसानी से अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। एआई टेक्नोलॉजी का भी इसमें काफी फायदा होगा। बच्चों को कई नई चीजें सीखने को मिलेंगी। यह एक अच्छा कदम है। एआई के साथ-साथ क्लासरूम में पढ़ाई भी जरूरी है। काव्या ने आगे कहा कि हम प्रधानमंत्री जी को दिल से धन्यवाद कहना चाहेंगे।

संपादकीय

बीकानेर में पीएम ई-बस सेवा की शुरुआत, मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। हरित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में बीकानेर से पीएम ई-बस सेवा की शुरुआत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ई-बसों का उद्घाटन किया और प्रतीकात्मक रूप से हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की यह पहल स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त राजस्थान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ही हरित परिवहन व्यवस्था के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है। पीएम ई-बस सेवा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ई-बसों के संचालन से आमजन को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने के साथ प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा। बीकानेर से ई-बस सेवा की शुरुआत को शहर के सार्वजनिक परिवहन और हरित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ई-बस सेवा शुरू होने से बीकानेर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में नई पहल हुई है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को सुगम एवं सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद है। साथ ही, पारंपरिक ईंधन से चलने वाले वाहनों की तुलना में प्रदूषण कम करने में भी इन बसों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और यातायात के दबाव के बीच सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। ऐसे में इलेक्ट्रिक बसें परिवहन व्यवस्था को अधिक टिकाऊ बनाने के साथ शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने में भी सहायक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के अन्य शहरों में भी आधुनिक और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। पीएम ई-बस सेवा के तहत बसों के संचालन से शहरवासियों को निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। इससे सड़क पर निजी वाहनों का दबाव कम करने और सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकता है।

हरित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा, जल संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन जैसे क्षेत्रों में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ई-बस सेवा इसी व्यापक अभियान का हिस्सा है। बीकानेर में ई-बसों के संचालन को लेकर आमजन में भी उत्साह देखने को मिला।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवा की शुरुआत होने से कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया। हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किए जाने के दौरान मौजूद लोगों ने इसे शहर के परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा। ई-बस सेवा के नियमित संचालन से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने और यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन का आधुनिक विकल्प मिलने की उम्मीद है।

आने वाले समय में सेवा के विस्तार के साथ अधिक संख्या में यात्रियों को इसका लाभ मिल सकेगा। राज्य सरकार का जोर सार्वजनिक परिवहन को सुविधाजनक बनाने के साथ उसे पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बनाने पर है। बीकानेर से शुरू हुई पीएम ई-बस सेवा इसी दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जो हरित विकास और स्वच्छ परिवहन के संकल्प को जमीन पर उतारने में योगदान देगी।

अजमेर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया ध्वजारोहण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। 80वें स्वाधीनता दिवस समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अजमेर के पुलिस लाइन मैदान में ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 87 व्यक्तियों, संस्थाओं और प्रतिभाओं को सम्मानित किया। समारोह में पुलिस, होमगार्ड, सीआरपीएफ सहित विभिन्न स्कूलों की प्लाटून ने परेड में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य और व्यायाम प्रदर्शन से देशभक्ति का संदेश दिया। स्वतंत्रता सेनानी शोभाराम गहरवार सहित सेनानियों के परिजनों और आश्रितों का भी सम्मान किया गया। उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विकसित भारत और 'विकसित राजस्थान 2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी को विकास की आधारशिला बताया। समारोह में पूर्व मंत्री अनिता भदेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के लिए त्याग और बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को स्मरण करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और अब विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए राजस्थान को भी विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना आवश्यक है।

जयपुर में उत्साह और उमंग के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर के चौगान स्टेडियम में जिला स्तरीय 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ किया गया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इससे पहले उन्होंने अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। कर्नल राठौड़ ने खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। समारोह में पुलिस, आरएसी, महिला एवं पुरुष होमगार्ड तथा विभिन्न स्कूलों की टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। राज्यपाल के संदेश का पठन अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी ने किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 37 प्रतिभाओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

करणी शिक्षण संस्थान में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुंजायमान हुआ परिसर

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। वार्ड नंबर 19 स्थित करणी शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान से हुई, वहीं विद्यालय की छात्राओं द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर और संस्था प्रधान द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक देशभक्तिपूर्ण और शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंगों में सराबोर हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक भानु प्रकाश दानोदिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से शिक्षा से जुड़कर राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित होने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का होना उतना ही अनिवार्य है, क्योंकि संस्कार ही एक विद्यार्थी को योग्य और जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। समारोह के मुख्य अतिथि एवं युवा नेता गुरु धानका ने अपने ओजस्वी भाषण से बच्चों में नया उत्साह भरा। उन्होंने देशभक्ति की एक नई और व्यावहारिक परिभाषा पेश करते हुए कहा सीमा पर बंदूक या टैंकर लेकर खड़े होना ही एकमात्र देशभक्ति नहीं है। अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व सुंदर रखकर तथा आपस में मिलजुल कर रहना भी देश सेवा का एक बेहतरीन उदाहरण है। साथ ही उन्होंने मेधावी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने घोषणा की कि कक्षा 5 से 12 तक शीर्ष रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को अगले वर्ष 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

RPSC में गरिमामय वातावरण में मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने राष्ट्रगीत के बाद ध्वजारोहण किया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ। समारोह में सुरक्षा कार्मिकों एवं रेस्को गार्ड्स को मिठाई वितरित की गई। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि RPSC केवल एक संस्था नहीं, बल्कि प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और लाखों युवाओं की उम्मीदों एवं भरोसे का केंद्र है। इस विश्वास को बनाए रखना आयोग परिवार के प्रत्येक सदस्य की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि कार्मिक आयोग की स्थायी रीढ़ हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों से युवा कार्मिकों को बेहतर कार्यसंस्कृति और मार्गदर्शन देने का आह्वान किया।

न्यायालय परिसर में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस एसीजेएम रीतिका चौहान ने किया ध्वजारोहण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। तालुका विधिक सेवा समिति, सरदारशहर के तत्वावधान में शनिवार को न्यायालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का आयोजन राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के निर्देशानुसार तथा तालुका अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में किया गया। समारोह में एसीजेएम श्रीमती रीतिका चौहान ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान पुलिस दल ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में न्यायालय के न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के दौरान एसीजेएम रीतिका चौहान एवं जेएम सुश्री रूबल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को विधिक सेवाओं, उनके अधिकारों तथा जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी दी। विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप भेंट भी प्रदान की गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं विद्यार्थियों ने पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान आमजन को विधिक सेवा संस्थाओं की ओर से उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने राष्ट्रहित, पर्यावरण संरक्षण एवं विधिक जागरूकता के प्रति निरंतर जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानून के प्रति सम्मान की भावना के बारे में भी जानकारी दी गई। न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि देश की स्वतंत्रता केवल अधिकारों का विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से भी जुड़ी हुई है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का भी संदेश दिया गया।

राजकीय नेत्रहीन विद्यालय में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राजकीय नेत्रहीन विद्यालय में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद कार्यक्रम अध्यक्ष समाजसेवी बाबूलाल सांखला, मुख्य अतिथि मस्त मंडल अध्यक्ष विजय मालू, सचिव देवेंद्र बेद, प्रधानाचार्य अल्ताफ अहमद खान एवं वरिष्ठ अध्यापक आनंद पारीक की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं झंडा गीत की प्रस्तुति देकर वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

सरदारशहर में होटल, ढाबों व कैफे पर पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश, आरजे-10 कैफे से अवैध कैबिन हटाए दुबई कैफे में अवैध हुक्का बार का खुलासा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर पुलिस थाना सरदारशहर की टीमों ने कस्बे में होटल, ढाबों व कैफे पर अवैध गतिविधियों की सूचना पर ताबड़तोड़ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में कुल 9 युवकों को गिरफ्तार किया। वहीं कच्चा बस स्टैंड के पीछे स्थित दुबई कैफे में अवैध हुक्का बार संचालित होना पाए जाने पर प्रतिबंधित फ्लेवर व हुक्के जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। पहली टीम ने हैडकांस्टेबल राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बुकलसर फांटा पर दबिश दी। पुलिस के अनुसार यहां अवैध गतिविधियों एवं गांजा सेवन की सूचना मिली थी। मौके पर गतिविधियां संचालित होना पाए जाने पर राजू (27), सोनू नाई (27), राहुल नाई (21), रमेश कुमार (25) तथा वासुदेव (20) को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। दूसरी टीम ने हैडकांस्टेबल विनोद कुमार के नेतृत्व में कच्चा बस स्टैंड स्थित आरजे-10 कैफे पर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार कैफे में अवैध गतिविधियों और कैबिन बनाए जाने की सूचना पर दबिश दी गई। मौके पर चार युवक मिले, जिन्हें धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कैफे में बने अवैध कैबिनों को हटाया तथा वहां मिली युवतियों को समझाइश देकर रवाना किया। थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में तीसरी कार्रवाई कच्चा बस स्टैंड के पीछे स्थित दुबई कैफे में की गई। पुलिस के अनुसार यहां अवैध हुक्का बार संचालित होना पाया गया। पुलिस ने राजेश (25) को गिरफ्तार किया तथा हुक्का बार संचालक के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के राजस्थान संशोधन के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कस्बे में अवैध गतिविधियों के संचालन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सरदारशहर में स्वतंत्रता दिवस समारोह तिरंगा स्टेडियम में धूमधाम से मनाया 64 प्रतिभाओं का सम्मान

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर उपखंड क्षेत्र में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। उपखंड स्तरीय मुख्य समारोह एसबीडी कॉलेज स्थित तिरंगा स्टेडियम में आयोजित हुआ। सरदारशहर विधायक पंडित अनिल भंवरलाल शर्मा तथा कार्यवाहक उपखंड अधिकारी मुकुल टाक ने ध्वजारोहण किया। उपखंड स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्टता की छाप छोड़ने वाले 64 लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए विधायक पंडित शर्मा ने कहा कि हम सबको राष्ट्रप्रेम, एकता और देशसेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेकर देश की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में ईओ मघराज डूडी, थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, निर्वतमान सभापति राजकरण चौधरी, डेयरी चेयरमेन लालचंद मूंड, पंचायत समिति सदस्य गिरधारीलाल पारीक, पूर्व बीडीओ और कांग्रेस देहात अध्यक्ष दुर्गाराम पारीक, पूर्व प्रधान भैरूसिंह राजपुरोहित, कांग्रेस नेता महावीर माली, एनसीसी प्रभारी कमलेश जोशी, सुरूची प्रजापत, जयवीर स्वामी, सांवरमल प्रजापत, प्राची राठौड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता-अखंडता का संदेश देखने को मिला। समारोह स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

बीकानेर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया ध्वजारोहण, राजस्थान सिविल संहिता-2026 लाने की घोषणा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। उन्होंने परेड का निरीक्षण कर मार्चपास्ट की सलामी ली और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप राज्य सरकार *राजस्थान सिविल संहिता-2026* लाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है, जिससे प्रदेश में अपराध कम हुए हैं और अमन-चैन का वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाना है। जल सुरक्षा, बिजली, सड़क, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, रोजगार और निवेश को लेकर सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राम जल सेतु लिंक परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल और सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद है। यमुना जल को राजस्थान तक लाने के लिए करीब 34 हजार करोड़ रुपये की परियोजना का एमओए हो चुका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है और प्रदेश बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राज्य सहायता 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये वार्षिक किए जाने, नए कृषि कनेक्शन, ब्याजमुक्त फसली ऋण और गेहूं पर बोनस सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। महिला सशक्तीकरण, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास को सरकार की प्राथमिकता बताया। समारोह में पहली बार राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। राजस्थान सहित ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से आए लोक कलाकारों तथा स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बीएसएफ के ऊंट दस्ते और विभिन्न बैंड की प्रस्तुतियों ने भी समारोह को आकर्षक बनाया। परेड में पंजाब पुलिस, हाड़ी रानी महिला बटालियन, जीआरपी, बीकानेर पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, एनसीसी और स्काउट-गाइड सहित विभिन्न टुकड़ियों ने हिस्सा लिया।

राजस्थान/ प्रादेशिक

OBC आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया, कांग्रेस ने फाइलों में दबाए रखा", झाबर सिंह खर्रा का जुबानी हमला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सीकर में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में खर्रा ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर, विकसित, सशक्त और सामाजिक समरसता वाला राष्ट्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना होगा। मंत्री खर्रा ने कहा कि आजादी के करीब 80 साल पूरे होने जा रहे हैं। दुनिया के कई ऐसे देश, जो विश्व युद्धों में बर्बाद हुए थे, आज विकास के क्षेत्र में काफी आगे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को विचार करना चाहिए कि भारत को आजादी के इतने वर्षों बाद जिस मुकाम पर होना चाहिए था, वहां पहुंचने में क्या कारण रहे और उन कारणों को दूर करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री खर्रा ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को पहले अपने कार्यकाल पर ध्यान देना चाहिए। खर्रा के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़ा वर्ग को राजनीतिक आरक्षण देने के लिए फार्मूला तय किया था। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दो साल से अधिक समय तक रही, लेकिन इस दिशा में कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को फाइलों में दबाए रखा। भाजपा सरकार बनने के बाद राजनीतिक पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया और पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या के सटीक आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। पंचायती राज और स्थानीय निकायों की आरक्षण लॉटरी को लेकर भी मंत्री खर्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त को स्थानीय निकायों के पार्षदों की लॉटरी सुबह और पंचायती राज संस्थाओं की लॉटरी शाम को निकाली जानी है। खर्रा ने जिला निर्वाचन अधिकारी से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को लॉटरी प्रक्रिया की पूरी जानकारी देने का आग्रह किया है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शिक्षा, रोजगार, नवाचार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में योगदान देने का आह्वान किया।

झोटवाड़ा के श्रीराम पार्क में मनाया सावन तीज का लहरिया उत्सव

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। झोटवाड़ा के वार्ड नंबर 20 स्थित श्रीराम पार्क में सावन की तीज के अवसर पर लहरिया उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्सव के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया परिधान पहनकर तीज पर्व की खुशियां मनाईं। बच्चों ने भी विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीतों और उत्सवी माहौल का आनंद लिया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी आकर्षण का केंद्र रही।

राजस्थान BJP प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 'स्वतंत्रता दिवस' पर मांगी माफ़ी

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर स्थित बड़ी चौपड़ पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित भारतीय जनता पार्टी के ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान एक अनपेक्षित विवाद सामने आया है। समारोह में तिरंगा फहराने के बाद जब राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजाने की बारी आई, तब साउंड सिस्टम पर उसका मूल स्वरूप बजने के बजाय एक गलत धुन बज गई। इस तकनीकी और मानवीय चूक के कारण मंच पर मौजूद सभी नेता और कार्यकर्ता असहज हो गए। राष्ट्रीय पर्व के इस मंच पर राष्ट्रगीत के साथ हुई इस चूक की गंभीरता को समझते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तुरंत सामने आकर पार्टी की तरफ से नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार की और सार्वजानिक रूप से माफी मांगी।

करपात्री स्वामी धर्म संघ संस्कृत महाविद्यालय में ज्योतिष अध्यापक नियुक्त

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की योजना के तहत राज्य के मान्यता प्राप्त वेद विद्यालयों में ज्योतिष विषय के अध्यापकों की नियुक्ति की जा रही है। इसी क्रम में बीकानेर के देवी कुंड सागर स्थित श्री करपात्री स्वामी धर्म संघ संस्कृत महाविद्यालय (वेद विद्यालय) में ज्योतिष अध्यापक की नियुक्ति की गई है। इससे वेद विद्यार्थियों को पारंपरिक वैदिक शिक्षा के साथ ज्योतिष शास्त्र का व्यवस्थित अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। विद्यालय के संचालक दंडी स्वामी श्रीधरानंद सरस्वती ने इस पहल को संस्कृत, वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा को मजबूत करने वाला कदम बताते हुए राजस्थान संस्कृत अकादमी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ज्योतिष विषय के अध्यापक की नियुक्ति से विद्यार्थियों को शिक्षा में विशेष लाभ मिलेगा।

नारी शक्ति का सम्मान, राष्ट्र का सम्मान : राखी राठौड़

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष राखी राठौड़ ने 'नारी शक्ति, नारी सम्मान' कार्यक्रम में भाग लेकर मातृशक्ति के साथ आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं एकजुट होकर आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र की प्रगति को नई दिशा मिलती है। राखी राठौड़ ने कहा कि 'नारी शक्ति का सम्मान, राष्ट्र का सम्मान'है। उन्होंने मातृशक्ति की एकजुटता और सशक्त सहभागिता को मजबूत समाज की पहचान बताया। कार्यक्रम के आयोजन के लिए कोमल चौहान को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कार्यक्रम में लोक कलाकार सीमा मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जयपुर की बड़ी चौपड़ पर सत्ता-विपक्ष ने फहराया तिरंगा, 1947 से चली आ रही अनूठी परंपरा निभाई

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जयपुर की ऐतिहासिक बड़ी चौपड़ एक बार फिर सत्ता और विपक्ष के अलग-अलग ध्वजारोहण की परंपरा की गवाह बनी। सत्ता पक्ष की ओर से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा फहराया, जबकि विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने ध्वजारोहण किया। दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे। आजादी के बाद 15 अगस्त 1947 की शाम बड़ी चौपड़ पर तत्कालीन राज्य प्रमुख टीकाराम पालीवाल ने पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। इस ऐतिहासिक अवसर पर तत्कालीन राजपरिवार के सदस्य भी मौजूद थे। इसके बाद कांग्रेस नेता गोकुलभाई भट्ट ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और तब से राष्ट्रीय पर्वों पर बड़ी चौपड़ में ध्वजारोहण का सिलसिला जारी है। बड़ी चौपड़ पर ध्वजारोहण की परंपरा में दिशाओं का भी विशेष महत्व है। पूर्व दिशा को उगते सूर्य और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

मेहरासर चाचेरा में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

मेहरासर चाचेरा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेहरासर चाचेरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता नारायणदान जी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हरिओम पारीक, मदन लाल तिवाड़ी, नरेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच टंवर सिंह और हुलास मल व्यास सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में विद्यालय के विकास एवं सहयोग में योगदान देने वाले 17 भामाशाहों को सम्मानित किया गया। इनमें मदनलाल पारीक, हुलासमल व्यास, सुशील गोस्वामी, मालूराम महला और गिरिराज व्यास सहित अन्य भामाशाह शामिल रहे। वहीं श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले 42 विद्यार्थियों को भी अतिथियों ने सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार पारीक ने विद्यार्थियों से संस्कारवान बनने और भारतीय संस्कृति से जुड़कर अच्छे संस्कार अपनाने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी साक्षी बोहरा, परेड प्रभारी धर्मेंद्र कुमार और कार्यक्रम संचालक रतन पांडिया को पारितोषिक देने की घोषणा की। इस अवसर पर भामाशाहों ने विद्यालय विकास के लिए 40 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। विशेष रूप से सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का संचालन रतन पांडिया ने किया। समारोह में विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य और भारतीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न प्रस्तुतियां देकर स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और भव्य बना दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रप्रेम, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत का संदेश दिया, जिसे उपस्थित अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने खूब सराहा।

चूरू पुलिस लाइन मैदान में कलेक्टर ने फहराया तिरंगा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। चूरू जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और चूरू विधायक हरलाल सहारण सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम से हुई। ध्वजारोहण के बाद कलेक्टर सुराणा ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। पुलिस के जवानों और छात्र-छात्राओं की टुकड़ियों ने अनुशासित मार्चपास्ट प्रस्तुत किया, जिसका अवलोकन भी कलेक्टर ने किया। इसके बाद सामूहिक व्यायाम एवं बैण्डवादन का प्रदर्शन हुआ।

किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन में विधायक विकास चौधरी ने किया ध्वजारोहण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

किशनगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन परिसर पहुंचे और ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए सभी मार्बल व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। विधायक विकास चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने सभी से देश की प्रगति और विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मार्बल व्यापारियों एवं एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। विधायक विकास चौधरी ने कहा कि देश की आजादी लंबे संघर्ष और असंख्य वीरों के बलिदान का परिणाम है। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों और उनके त्याग को याद करने का दिन भी है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने मार्बल उद्योग से जुड़े व्यापारियों और क्षेत्रवासियों से ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करने तथा किशनगढ़ के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि उद्योग और व्यापार क्षेत्र की मजबूती से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और देशभक्ति के नारों के साथ स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया। मार्बल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विधायक का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास और मार्बल उद्योग से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। समारोह में मार्बल व्यापारी, एसोसिएशन के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने देश की प्रगति, समृद्धि और सामाजिक एकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह राष्ट्रप्रेम और विकास के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

तारानगर में स्वतंत्रता दिवस समारोह, वीर शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

तारानगर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपखंड मुख्यालय तारानगर में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया एवं एसडीएम सुश्री प्रियंका कड़ेला शामिल हुए। समारोह के दौरान क्षेत्र के वीर शहीद जवानों की वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया। विधायक एवं एसडीएम ने सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वक्ताओं ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि उनके त्याग और बलिदान के कारण ही आज देशवासी स्वतंत्र एवं स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों का बलिदान देश की सबसे अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों के परिवारों का सम्मान करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान इसी कृतज्ञता और सम्मान की भावना का प्रतीक है। विधायक नरेंद्र बुडानिया ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ योगदान देने का आह्वान किया। एसडीएम प्रियंका कड़ेला ने कहा कि आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और देश की रक्षा में शहीद हुए जवानों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नई पीढ़ी को उनके संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर देश के विकास में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वीरांगनाओं का सम्मान किए जाने से समारोह का वातावरण भावुक और गौरवपूर्ण हो गया। उपस्थित लोगों ने शहीदों को नमन करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के त्याग को भी राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने देश की प्रगति, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बीकानेर हाउस में उत्साह और गरिमा के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस परिसर में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह में राजस्थान सरकार के दिल्ली स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया। संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीना सहित विभिन्न विभागों के कार्मिकों ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर प्रमुख आवासीय आयुक्त ने उत्कृष्ट एवं निपुणता से कार्य करने वाले आरएसी बटालियन तथा आवासीय आयुक्त कार्यालय के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधारोपण भी किया। समापन अवसर पर रोहित कुमार ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बीकानेर हाउस परिसर में शुरू हो रहे 10 दिवसीय तीजोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मनोरंजन समाचार

‘12वीं फेल’ की शूटिंग के दौरान मैंने विधु विनोद चोपड़ा से 300 रुपए कमाए : विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी काफी समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं लेकिन विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म ‘12वीं फेल’ ने उनके अभिनय को अलग पहचान दी थी। अभिनेता ने हाल ही में बताया कि फिल्म से उन्होंने करीब 300 रुपये कमाए थे। दरअसल, अभिनेता हाल ही में शेखर सुमन के शो ‘शेखर टुनाइट’ में गए थे, जहां उन्होंने बातचीत में विधु विनोद चोपड़ा के साथ अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेता ने निर्देशक के साथ पहली मुलाकात के बारे में बताया, “फिल्म ‘12वीं फेल’ मेरे लिए खास अनुभव था क्योंकि मैंने फिल्म को डेढ़ साल दिए थे। जब मैं पहली बार विनोद सर से मिला, तो राजकुमार हिरानी ने उन्हें मेरा नाम रिकमेंड किया था। उन्होंने मेरी फिल्म ‘ए डेथ इन द गंज’ और मेरा शो ‘मिर्जापुर’ देखा था।” उन्होंने कहा, “विधु विनोद चोपड़ा ने मुझसे कहा कि उन्हें मेरा काम काफी पसंद आया था लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मिर्जापुर ऐसा शो नहीं है जिसे वह एक एपिसोड से ज्यादा देख सकें। फिर उन्होंने मुझसे पूछा, ‘मैं तुम्हारे साथ काम क्यों करूं? तुम एक टीवी एक्टर हो, लोग तुम्हें घर पर फ्री में देखते हैं, तो वे तुम्हें देखने के लिए थिएटर क्यों आएंगे?’ मैंने इसे बहुत मजे से लिया क्योंकि कहीं न कहीं, मुझे लगा कि उनकी बातों में सच्चाई और कंस्ट्रक्टिव क्रिटिसिज्म है। मैंने बस उनसे कहा कि मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं।” विक्रांत ने बताया कि ऑडिशन के दौरान, वह उसी पोजिशन में बैठे थे जो आप 12वीं फेल के ओपनिंग शॉट में देखते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर देवोलीना का संदेश, देशप्रेम दिल में बसना चाहिए सिर्फ भाषणों में नहीं

देशभर में 80वें स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। टेलीविजन अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी का कहना है कि वह चाहती हैं कि उनका बच्चा ये जाने कि देश को आजादी कई कुर्बानियों के बाद मिली और भारतीय होने का मतलब दयालुता, हिम्मत और एकता है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा कि उनके लिए स्वतंत्रता दिवस का मतलब अतीत को याद करना और जो हमारे पास जिम्मेदारी है, उसे सही से निभाना है। देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, “स्वतंत्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि आजादी हमें मुफ्त में नहीं मिली, बल्कि इसे पाने के लिए कुर्बानी देनी पड़ी थी। ये उन लोगों को सम्मान देने का दिन भी है, जिन्होंने लड़ाई लड़ी ताकि हम इज्जत और सम्मान के साथ जी सकें, खुलकर बोल सकें और बिना डर के सपने देख सकें और उसे पूरा कर सकें।” देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपनी दिली इच्छा जाहिर करते हुए बताया कि वे अपने बेटे जॉय को उसके बचपने से ही आजादी से जुड़ी सारी बातें बता सिखा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया, “एक मां होने के नाते मैं अपने बेटे जॉय को स्वतंत्रता दिवस मनाना सिखा रही हूं, जिससे उसे पता चले कि हम कहां से आए हैं। छोटे-छोटे हाथों में तिरंगा झंडा लहराना, राष्ट्रगान सुनना, माहौल को महसूस करना और आजादी के बारे में आसान शब्दों में समझना - ये सारे पल बच्चों के दिल में गर्व और शुक्रिया का भाव पैदा करते हैं।” अभिनेत्री का मानना है कि अगर वे शुरुआती से अपने बेटे को यह सब सिखाएंगी, तो उसके लिए देश से प्यार सिर्फ भाषण नहीं रहेगा, बल्कि दिल में बसेगा। भारत का भविष्य उन्हीं संस्कारों से बनेगा जो हम आज उन्हें देंगे। देवोलीना को स्टार प्लस के शो ‘साथ निभाना साथिया’ और ‘साथ निभाना साथिया 2’ में सीधी-सादी, मजबूत और पक्के इरादे वाली गोपी बहू का रोल निभाने के लिए जाना जाता है। उन्हें ‘बिग बॉस 13’ और ‘बिग बॉस 14’ जैसे रियलिटी शो और फिक्शन शो ‘छठी मैया की बिटिया’ और ‘दिल दियां गल्लां’ में भी देखा गया है।

स्वतंत्रता दिवस पर भारती सिंह बोलीं, भारत की विविधता और एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे देश में देशभक्ति की लहर देखने को मिल रही है। कॉमेडियन भारती सिंह का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस भारत की अलग-अलग संस्कृति, परंपराओं और एक साथ मिलकर रहने की भावना का जश्न है। भारती सिंह ने कहा, “मेरे लिए स्वतंत्रता दिवस का मतलब है उन सब चीजों का जश्न मनाना जो भारतीय होने को इतना खास बनाता है। हमारा खाना, त्योहार, भाषाएं, मस्ती और सबसे जरूरी बात- हम हमेशा साथ मिलकर जश्न मनाने की कोई न कोई वजह ढूंढ ही लेते हैं। मुझे खुशी है कि अपने काम के जरिए मैं लोगों को हंसा पाती हूं और शायद उनके दिन में थोड़ी खुशी जोड़ पाती हूं।”

‘मैंने तो किस भी नहीं किया है’, ‘टॉक्सिक’ के ‘तबाही’ गाने में अश्लीलता के आरोप पर Aap Ki Adalat में यश ने तोड़ी चुप्पी

सुपरस्टार यश की फिल्म ‘टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स’ को लेकर दर्शकों और मीडिया के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। ‘आप की अदालत’ में ‘आप की अदालत’ में इंडिया टीवी के चेयरमैन एवं एडिटर-इन-चीफ रजत शर्मा को दिए एक बेबाक इंटरव्यू में यश ने अपनी आगामी फिल्म के बोल्ड दृश्यों, रोमांटिक सीन्स और सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं का खुलकर बचाव किया। चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे सुपरस्टार ने स्पष्ट किया कि समय के साथ इंसान और उसकी सोच में बदलाव आना स्वाभाविक है। 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही इस फिल्म के गानों और दृश्यों पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए यश ने कहा कि सिनेमा में दिखाए गए दृश्य कहानी और पात्रों की भावनात्मक आवश्यकता पर आधारित हैं। साक्षात्कार में जब रजत शर्मा ने यश को उनके पुराने बयानों की याद दिलाई, तो दोनों के बीच दिलचस्प बातचीत हुई। जब रजत शर्मा ने यश को याद दिलाया कि उन्होंने एक बार कहा था कि रोमांटिक दृश्य करते समय उन्हें हमेशा घबराहट होती थी तो यश ने जवाब दिया, ‘हंड्रेड परसेंट बदल गया हूं। आदमी बदलता है। अगर कोई बोलता है कि मैं नहीं बदला 20 साल से, वो झूठ कहता है। इवोल्यूशन इज़ अ पार्ट ऑफ ह्यूमन नेचर। सब लोग इवॉल्व होते हैं। जिस चीज को आप 10 साल पहले मानते थे, वो चीज अलग होती है। जिस चीज को एक हफ्ते पहले सोचते थे, वो अलग होती है। दैट इज लाइफ, इट कीप्स चेंजिंग।’ शो के दौरान फिल्म के गानों और उसमें दर्शाई गई बोल्डनेस पर भी तीखे सवाल पूछे गए। जब रजत शर्मा ने फिल्म के ‘तबाही’ गाने की क्लिप दिखाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि कियारा आडवाणी एक-एक करके अपने कपड़े उतार रही हैं, तो यश ने जवाब दिया, ‘जो कैरेक्टर्स हैं, एक राया, एक नादिया, वो एक-दूसरे को प्यार इस तरह करते हैं कि दुनिया की परवाह नहीं । उसको दिखाने के लिए हमको वो सीन करनी पड़ी। एंड ट्रस्ट मी, सर, हम भी नर्वस रहते हैं।’ यश ने यह साफ किया कि ऐसे दृश्यों को करते समय कलाकार भी सहज नहीं होते, लेकिन किरदार की मांग के अनुसार काम करना पड़ता है। फिल्म सामग्री को लेकर इंटरनेट पर जारी बहस और कथित अश्लीलता के आरोपों पर सुपरस्टार ने कड़ा रुख अपनाया। फिल्म में कथित तौर पर अश्लील दृश्यों को लेकर नेटिजन्स की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर यश ने कहा, ‘ऐसे बहुत से लोग हैं जो सौ अच्छी चीजों में से सिर्फ एक-दो चीजें देखते हैं और उसी के बारे में बोलते हैं। जिनको तकलीफ है, वो नहीं देखें।’ यश का यह स्पष्ट संदेश दर्शाता है कि वे अपनी फिल्म के कंटेंट को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। यश ने कहा कि फिल्म के किरदारों और उनकी कहानी को समझे बिना केवल कुछ दृश्यों के आधार पर पूरी फिल्म को लेकर राय बनाना उचित नहीं है। उनके अनुसार, फिल्म में दिखाई गई बोल्डनेस कहानी का हिस्सा है और इसका उद्देश्य किरदारों के बीच मौजूद भावनात्मक जुड़ाव तथा उनकी दुनिया को पर्दे पर प्रस्तुत करना है।

YRKKH में कबीर के लापता होने से उलझी कहानी, मायरा बनी प्राइम सस्पेक्ट, जेल में गुजरेगी रात

‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ में एक नया और तनावपूर्ण मोड़ आने वाला है, क्योंकि कबीर के अचानक गायब होने के बाद मायरा मुश्किल फंस गई है। एक रहस्यमयी गुमशुदगी के तौर पर शुरू हुई यह घटना जल्द ही एक गंभीर जांच में बदल जाती है, जिससे मायरा शक के घेरे में आ जाती है और अभिरा-अरमान अपनी बेटी को लेकर बहुत परेशान हो जाते हैं। कहानी में आगे देखने को मिलेगा कि मायरा अपनी जिंदगी के एक ऐसे नए पड़ाव पर है, जहां दोस्ती, भावनाएं और रिश्ते ज्यादा अहम होते जा रहे हैं। कबीर के साथ उसकी बढ़ती नजदीकियों ने पहले ही उसके परिवार की चिंताएं बढ़ा दी है। अभिरा और अरमान, मायरा पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि उसके फैसले उसे किसी मुश्किल स्थिति में डाल सकते हैं। आने वाले एपिसोड में कहानी तब एक चौंकाने वाला मोड़ लेती है, जब कबीर अचानक गायब हो जाता है। उसके अचानक गायब होने से मायरा और उसके आस-पास के लोग उलझन में पड़ जाते हैं। किसी को नहीं पता कि कबीर कहां गया है या गायब होने से पहले क्या हुआ था। मामला तब और गंभीर हो जाता है, जब शक की सुई मायरा की ओर घूमने लगती है। कबीर के गायब होने की वजह से अधिकारी मायरा से पूछताछ करते हैं। उसे सिर्फ कबीर के करीबी के तौर पर नहीं देखा जाता, बल्कि वह जांच का हिस्सा बन जाती है। मामला तब और गंभीर हो जाता है, जब पुलिस मायरा को हिरासत में ले लेती है। मायरा की गिरफ्तारी परिवार के लिए एक बड़ा झटका होती है। अभिरा-अरमान यह समझने की कोशिश में परेशान हैं कि उनकी बेटी इतने गंभीर मामले में कैसे फंस गई। माता-पिता के तौर पर वे मायरा को बचाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें कबीर के गायब होने का सच भी जानना है। अभिरा और अरमान मायरा को पुलिस की बड़ी मुसीबत से बचाने के लिए दौड़ पड़ते हैं। यह स्थिति अभिरा और अरमान को मुश्किल में डाल सकती है। ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ में आगे देखने को मिलेगा कि मायरा की चुप्पी मामले को और भी उलझा सकती है। अगर उसे कबीर के गायब होने के बारे में कुछ पता है तो वह बता क्यों नहीं रही है? दूसरी ओर, इस घटना के पीछे कोई बिल्कुल अलग वजह भी हो सकती है यानी हो सकता है कि मायरा को गलत तरीके से फंसाया गया हो। आने वाले एपिसोड में कबीर की गुमशुदगी का मामला लगातार पेचीदा होता जाएगा। मायरा से पूछताछ के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे सवाल मिल सकते हैं, जिनके जवाब उसके लिए देना आसान नहीं होगा। उसकी चुप्पी और कबीर के साथ उसकी नजदीकियां जांच को और गंभीर बना देंगी। परिवार को भी यह समझ नहीं आएगा कि मायरा आखिर क्या छिपा रही है। मायरा की गिरफ्तारी के बाद अभिरा और अरमान अपनी बेटी को इस मुसीबत से बाहर निकालने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। दोनों कबीर के दोस्तों, परिवार और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों से जानकारी जुटाने की कोशिश कर सकते हैं। इस दौरान उन्हें कुछ ऐसे सुराग मिल सकते हैं, जो कबीर के अचानक गायब होने के पीछे किसी दूसरी कहानी की ओर इशारा करेंगे। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह होगा कि कबीर को आखिरी बार किसने देखा था और उसके गायब होने से पहले उसके साथ क्या हुआ। पुलिस मायरा की गतिविधियों और उसके बयानों की भी पड़ताल करेगी। अगर उसके बयान और सामने आए सबूतों में कोई अंतर मिलता है, तो मायरा की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, अभिरा और अरमान को भरोसा रहेगा कि उनकी बेटी ने जानबूझकर कुछ गलत नहीं किया है। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, उनके सामने भी कई ऐसे तथ्य आ सकते हैं, जो उन्हें सोचने पर मजबूर कर देंगे। मायरा की जिंदगी में कबीर की मौजूदगी और दोनों के बीच बढ़ती दोस्ती अब पूरे परिवार के लिए चिंता का कारण बन चुकी है। कहानी में यह भी संभव है कि कबीर का गायब होना महज एक दुर्घटना या सामान्य गुमशुदगी न हो, बल्कि इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश हो। हो सकता है कि किसी तीसरे व्यक्ति ने ऐसी परिस्थितियां पैदा की हों, जिनकी वजह से शक सीधे मायरा पर चला गया। अगर ऐसा हुआ तो मायरा की गिरफ्तारी कहानी में एक बड़े खुलासे की शुरुआत बन सकती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कबीर का कोई सुराग सबसे पहले किसे मिलता है और क्या वह मायरा को निर्दोष साबित करने में मदद करेगा। वहीं मायरा अगर कबीर से जुड़ा कोई राज जानती है तो क्या वह उसे परिवार या पुलिस के सामने बताएगी, यह भी बड़ा सवाल बना रहेगा।

कबीर की तलाश, मायरा पर बढ़ता शक और अभिरा-अरमान की बेटी को बचाने की कोशिश आने वाले एपिसोड में कहानी को और रोमांचक बनाने वाली है। क्या मायरा सच में कबीर के गायब होने का राज जानती है या वह खुद किसी बड़ी साजिश का शिकार हुई है? इसका जवाब कहानी के अगले मोड़ में सामने आएगा।

‘शुगर डैडी’ वाले तंज पर भड़के गोविंदा, सुनीता अहूजा पर किया पलटवार, बोले- अपनी हद में रहो

बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता गोविंदा ने हाल ही में अपनी पत्नी सुनीता आहूजा द्वारा उन पर और नवोदित अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार पर दिए गए बयानों का जवाब दिया है। मुंबई एयरपोर्ट पर गोविंदा और कोमल को एक साथ देखे जाने के बाद दोनों के रिश्तों को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया था। इसके बाद सुनीता आहूजा ने पैपराजी से बात करते हुए गोविंदा की उम्र और पसंद पर सवाल उठाए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की थी कि कोमल उनकी बेटी की उम्र की हैं। अब 62 वर्षीय अभिनेता ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सुनीता को अपनी हद में रहने और संयमित भाषा का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। गोविंदा ने अपनी प्रतिक्रिया में सुनीता द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा पर गहरा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उन्हें एक ऐसी जगह दी है जहां लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं, इसलिए उन्हें अपने आचरण का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सुनीता को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी उन्हें देखती है और जैसा व्यवहार वह करेंगी, लोग उसी का अनुसरण करेंगे। गोविंदा ने कहा कि इस तरह से आम बातचीत में गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करना रिश्तों की गरिमा को कम करता है और यह उनसे बिल्कुल भी अपेक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार के काम को उसकी उम्र के दायरे में बांधकर देखना सही नहीं है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के एट होम रिसेप्शन में शामिल होंगे अभिनेता कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन 15 अगस्त को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रतिष्ठित ‘एट होम रिसेप्शन’ में शामिल होंगे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस औपचारिक समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होती हैं। इनमें राष्ट्रीय नेता, सशस्त्र बलों के जवान, खिलाड़ी, कलाकार और अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले लोग शामिल रहते हैं। कार्तिक आर्यन के लिए यह निमंत्रण उनके करियर के एक बेहद खास दौर में आया है। हाल ही में उन्हें कबीर खान की फिल्म ‘चंदू चैंपियन’ में अपने अभिनय के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला। यह उनका पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है। फिल्म में उन्होंने भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी। राष्ट्रपति भवन का यह निमंत्रण कार्तिक के लिए इस उपलब्धियों से भरे साल में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। खास बात यह है कि इस वर्ष इस प्रतिष्ठित समारोह में शामिल होने वाले वह एकमात्र बॉलीवुड अभिनेता होंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस के ‘एट होम रिसेप्शन’ में शामिल होना कार्तिक आर्यन के लिए निश्चित रूप से एक यादगार और गौरवपूर्ण अवसर होगा। राष्ट्रपति भवन में होने वाला ‘एट होम रिसेप्शन’ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रमुख औपचारिक कार्यक्रमों में से एक है। इस आयोजन में राष्ट्रपति देश के अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों से मुलाकात करती हैं। ऐसे में कार्तिक आर्यन का इसमें शामिल होना उनके लिए व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर खास माना जा रहा है। ‘चंदू चैंपियन’ में मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाने के लिए कार्तिक ने अपने अभिनय और शारीरिक बदलाव पर काफी मेहनत की थी। फिल्म में उन्होंने एक ऐसे खिलाड़ी की भूमिका निभाई, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत के लिए पैरालंपिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस भूमिका के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद राष्ट्रपति भवन के समारोह में आमंत्रित किया जाना कार्तिक के लिए सम्मान को और खास बनाता है।

सार समाचार

क्या ईरान से लड़ते-लड़ते थक गए अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन पर तैनात सैनिक?

अमेरिकन नेवी के कार्यवाहक सेक्रेटरी हंग काओ ने बताया है कि अमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन, 250 से अधिक दिनों की लंबी तैनाती के बाद अमेरिका लौटने वाला है। इस कैरियर पर तैनात नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य और कमजोर मनोबल से जुड़ी चिंताओं की खबरों ने US कांग्रेस और नाविकों के परिजनों का ध्यान खींचा है। एक स्टेटमेंट में हंग काओ ने शुक्रवार को कहा कि कैरियर ने अपनी तैनाती को शानदार ढंग से पूरा किया है और एक तय रोटेशन के तहत जल्द ही घर लौटेगा। साथ ही, उन्होंने जोर देकर कहा कि मरीन और नाविकों की सुरक्षा नेवी की प्रॉयरिटी बनी हुई है। USS अब्राहम लिंकन पर तैनात नाविकों की परेशानियों के बारे में आई खबरों के बीच कैरियर की लंबी तैनाती पर प्रश्न उठ रहे हैं। CNN के अनुसार, नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य और कम मनोबल से जुड़ी चिंताओं की खबरों ने इस सप्ताह अमेरिकी कांग्रेस के मेंबर्स और उनके परिवारों के मन में प्रश्न खड़े कर दिए हैं। CNN ने बताया कि ईरान के साथ जंग में अमेरिकी ऑपरेशन्स में सहायता के लिए 'अब्राहम लिंकन' को वेस्ट एशिया भेजा गया था और तब से यह 250 से अधिक दिनों से तैनात है। यह जंग अब अपने छठे माह में पहुंच गया है। दिलचस्प है कि USS अब्राहम लिंकन 200 से अधिक दिनों से किसी पोर्ट पर नहीं रुका है। हंग काओ के मुताबिक, USS अब्राहम लिंकन की तैनाती को इसलिए बढ़ाया गया था क्योंकि उस समय ऑपरेशन में इसकी जरूरत थीं। इसके साथ ही, उन्होंने लंबे वक्त तक लड़ाई वाली तैनाती से जुड़ी परेशानियों को भी माना।

कतर ने पकड़े ईरान के 3 फाइटर पायलट, 6 महीने से कर रखा है कैद; हुआ खुलासा

Middle East में ईरान-अमेरिका में जारी संघर्ष के बीच बड़ी खबर आई है। दरअसल, ईरान की फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने आज (शनिवार को) बताया कि कतर में अमेरिकी बेस पर हमला करते वक्त मार्च में ईरान के दो Su-24 फाइटर जेट गिराए जाने के बाद, कतरी सेना ने उनके 3 मिलिट्री पायलटों को दबोच लिया था। कतर ने अब तक तीनों पायलटों को ना तो आपस में मिलने दिया है और ना ही उनकी सेहत के बारे में कोई जानकारी दे रहा है। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक, आर्म्ड फोर्स के जनरल स्टाफ की 'Search Committee for the Missing' के कमांडर मोहम्मद बाघरजादेह ने कहा कि इन 3 पायलटों की पहचान जवाद सालेही, अब्दुल-मजीद दश्तियन और इमरान बेह्बुशियन के रूप में हुई है। कतरी सेना पिछले 6 महीनों से इन तीनों को कैद में रखे हुए है।

अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में फायरिंग, संदिग्धों ने 5 लोगों को मारी गोली

अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के कई संदिग्धों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। वहीं घटना के बाद कैंपस को लॉकडाउन करना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना यूनिवर्सिटी के 'क्वाड एनेक्सेस' के पास हुई, जहां कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारियों को कैंपस डॉर्मिटरी के बाहर पांच लोग गोली लगने से घायल अवस्था में मिले। काउंटी पुलिस ने बताया कि अधिकारी रात 1:30 बजे से ठीक पहले मौके पर पहुंचे और सुबह करीब 9 बजे लॉकडाउन हटा लिया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय में हुई जब वर्जीनिया स्टेट का शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक हफ़्ते पहले ही खुल गए थे और सोमवार से कक्षाएं शुरू हो रही हैं। कई छात्रों ने नए आने वाले छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी का "न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस" प्रोग्राम अभी-अभी पूरा किया था। पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने न तो पीड़ितों की पहचान बताई है और न ही यह बताया है कि क्या वे यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। काउंटी पुलिस ने बताया कि पांचों लोगों को अस्पताल ले जाया गया। शुरुआत में जिन लोगों में से एक को जानलेवा चोटों वाला बताया गया था, उसकी हालत अब गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि बाकी लोगों को ऐसी चोटें आईं जिनसे जान का खतरा नहीं है। यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि गोलीबारी में "कई संदिग्ध" शामिल हैं। बयान में लोगों से शनिवार सुबह उस इलाके में न जाने को कहा गया।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप, आठ और बच्चों की मौत, मृतकों की संख्या 900 के पार

ढाका। बांग्लादेश में खसरे के प्रकोप से शनिवार को कम से कम आठ और बच्चों की मौत हो गई। इसके साथ ही इस साल बीमारी से पुष्टि और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 902 हो गई है। देश में स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बताया कि मौतें शनिवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में दर्ज की गईं। बांग्लादेशी समाचार एजेंसी यूएनबी के अनुसार, बीमारी से हुई आठ नई मौतें संदिग्ध श्रेणी में दर्ज की गई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, खसरे से पुष्टि की गई मौतों की संख्या 99 पर स्थिर रही, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा बढ़कर 803 हो गया। डीजीएचएस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में खसरे के 728 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 1,41,776 हो गई है। इसी अवधि में 70 नए पुष्ट मामले भी दर्ज किए गए, जिससे खसरे के कुल पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 17,800 हो गई। बांग्लादेश में खसरे के मामलों में लगातार तेज बढ़ोतरी के बीच, एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्था ने हाल ही में वर्ष 2026 के इस प्रकोप को देश के हालिया इतिहास के सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक बताया है। संस्था ने इस बात पर चिंता जताई कि खसरा एक ऐसी बीमारी है, जिसे टीकाकरण के जरिए रोका जा सकता है। कनाडा स्थित ग्लोबल सेंटर फॉर डेमोक्रेटिक गवर्नेंस (जीसीडीजी) ने अपनी रिपोर्ट 'प्रिवेंटेबल ट्रेजेडी : बांग्लादेश 2026 मीजल्स आउटब्रेक' में कहा कि आम लोगों को यह प्रकोप भले अचानक लगा हो, लेकिन महामारी विज्ञान के नजरिए से यह अप्रत्याशित नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संकट 2024-25 के दौरान मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली पूर्व अंतरिम सरकार के समय टीकों की आपूर्ति और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आई बाधाओं, नियमित टीकाकरण छूट जाने, तय पूरक टीकाकरण कार्यक्रमों के रद्द होने, वैक्सीन खरीद में प्रशासनिक देरी और जोखिम वाले लोगों की समय पर पहचान न होने जैसी कई वजहों का परिणाम है।

भारत की तरक्की पर फिदा हुए व्लादिमीर पुतिन, 80वें स्वतंत्रता दिवस पर PM मोदी को भेजा खास संदेश

मॉस्को। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत की आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में हो रही 'शानदार प्रगति' की तारीफ की और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव को भी रेखांकित किया। रूस के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर जारी संदेश के मुताबिक, पुतिन ने कहा, 'आपका देश आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में शानदार प्रगति कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सही मायने में महत्वपूर्ण सम्मान और प्रभाव रखता है।' भारत और रूस के बीच मजबूत होते रिश्तों का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि रूस-भारत संबंध विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की भावना में सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, शंघाई सहयोग संगठन (SCO), BRICS और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के मंच पर भी करीबी समन्वय करते हैं। पुतिन ने दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा जताते हुए कहा, 'मुझे विश्वास है कि हमारे संयुक्त प्रयासों से हम अपने मित्र देशों के लोगों के हित में और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता को मजबूत करने के लिए रूस-भारत की रचनात्मक साझेदारी को व्यापक रूप से और मजबूत करते रहेंगे।' पुतिन का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत और रूस नॉर्दर्न सी रूट (NSR) के जरिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। रूस इस मार्ग को एक बड़े व्यापारिक कॉरिडोर के रूप में आगे बढ़ाना चाहता है।

भारत का दौरा कर सकते हैं बांग्लादेशी PM तारिक रहमान, इसी महीने हो सकती है यात्रा

'डेली स्टार' ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान 20 अगस्त से 25 अगस्त के बीच भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा कर सकते हैं। हालांकि तारिक रहमान के भारत दौरे की तारीख को लेकर ढाका और नई दिल्ली अभी भी बातचीत कर रहे हैं। 'डेली स्टार' के अनुसार, राजनयिक सूत्रों ने बताया है कि इस प्रस्तावित यात्रा पर विचार किया जा रहा है क्योंकि दोनों पक्ष द्विपक्षीय बैठक करने के इच्छुक रहे हैं। हालांकि अब तक समय तय करने में दिक्कतें आ रही थीं। नई दिल्ली में एक राजनयिक सूत्र ने 'डेली स्टार' को बताया, "दोनों पक्ष द्विपक्षीय यात्रा के लिए इच्छुक रहे हैं, लेकिन समय तय करना एक मुद्दा था। अलग-अलग समय-सारणी पर विचार करने के बाद, दोनों देशों के शीर्ष अधिकारी 20 से 25 अगस्त के बीच की तारीखों पर सहमत होने के करीब पहुंच गए हैं।" सूत्र के हवाले से 'डेली स्टार' ने बताया कि अभी दो संभावित तारीखों पर विचार किया जा रहा है - 20-21 अगस्त और 21-22 अगस्त। सूत्र ने कहा कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के अपना काम फिर से शुरू करने के बाद अंतिम तारीखें तय होने की उम्मीद है। हालांकि, विदेश मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना तब सामने आई है जब बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने 11 अगस्त को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आमने-सामने की बैठक की। इससे एक दिन पहले उच्चायुक्त ने ढाका में रहमान से मुलाकात की थी। अगर इसकी पुष्टि हो जाती है, तो फरवरी में पद संभालने के बाद तारिक रहमान की यह भारत की पहली यात्रा होगी। यह प्रस्तावित दौरा ढाका और नई दिल्ली के बीच हालिया राजनयिक तनाव के बीच अहम है। यह तनाव शेख हसीना के भारत से दिए गए सार्वजनिक बयानों के बाद पैदा हुआ है। वह 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद देश से हटाए जाने के बाद से भारत में ही हैं। यह राजनयिक बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब 5 अगस्त को नई दिल्ली में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

जकार्ता। इंडोनेशिया के फ्लोरेस आइलैंड के तट पर शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। देश की मौसम विज्ञान, क्लाइमेटोलॉजी और जियोफिजिक्स एजेंसी (बीकेएमजी) ने यह जानकारी दी। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बीकेएमजी ने बताया कि भूकंप का सेंटर ईस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के मबे से 36 किमी उत्तर-पूर्व में, 15 किमी की गहराई में था। बीकेएमजी ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए, जिससे घबराए हुए कई लोग सुरक्षित जगह के लिए सड़कों पर भागे। किसी के हताहत होने की तुरंत कोई खबर नहीं है। शुरुआती झटके के बाद उसी इलाके में तेज झटके आए, जिनमें से एक की तीव्रता 6.1 थी। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीकेएमजी) ने चेतावनी दी कि भूकंप से सुनामी लहरें उठने की संभावना है। बीकेएमजी के भूकंप और सुनामी डायरेक्टर विजयंतो ने कहा, "सुनामी मॉडलिंग के नतीजों से पता चलता है कि इस भूकंप से ईस्ट नुसा तेंगारा, साउथ सुलावेसी और वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांतों में सुनामी आने की संभावना है।" इंडोनेशिया पैसिफिक 'रिंग ऑफ फायर' पर है और यहां 120 से ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी हैं, जो इसे दुनिया के सबसे ज्यादा ज्वालामुखी वाले देशों में से एक बनाता है। इंडोनेशिया के खतरनाक भूकंपों के इतिहास में 2004 में आया 9.1 तीव्रता का एक विनाशकारी झटका भी शामिल है, जो सुमात्रा के तट पर आया था और जिससे सुनामी आई थी।

ईरान को हराने के बाद 'होर्मुज स्ट्रेट' को अमेरिका का हिस्सा घोषित करूंगा: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद वह होर्मुज स्ट्रेट को यूनाइटेड स्टेट्स का क्षेत्र घोषित कर देंगे। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दुनिया के इस सबसे अहम ऊर्जा मार्ग में से एक पर ट्रंप का यह दावा असाधारण है। ट्रंप ने यह दावा न्यूयॉर्क के गार्डन सिटी में क्राइम और लॉ एनफोर्समेंट पर एक भाषण के दौरान किया। ट्रंप ने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी कि अमेरिका इस जलमार्ग पर कैसे दावा कर सकता है या ऐसे कदम का कानूनी आधार क्या है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "ईरान को हराने के बाद, जो बहुत बुरी तरह से हार रहा है, बहुत जल्द मैं होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का भाग घोषित कर दूंगा।" राष्ट्रपति ने इस भाषण का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ यूएस की सैन्य कार्रवाई की पूरी जानकारी देने के लिए किया। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नेवी और एयर फोर्स खत्म हो गई है और उसका सीनियर नेतृत्व भी अब कमजोर हो चुका है। ट्रंप ने कहा, "किसी को भी अंदाजा नहीं है कि हम कितने सफल हैं। वे इसे लिखना नहीं चाहते, लेकिन वे जानते हैं। आप जानते हैं कि कौन जानता है कि हम कितना अच्छा कर रहे हैं, ईरान। ईरान जानता है।" उन्होंने कहा, "सोचो, उनके पास कोई नेवी नहीं है, यह पूरी तरह से खत्म हो गई है, 159 जहाज। उनके पास कुल 159 जहाज थे। 159 जहाज अभी समुद्र की गहराई में हैं।" ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने अपने सभी 212 एयरक्राफ्ट खो दिए हैं। भाषण के दौरान बताए गए मिलिट्री आंकड़ों के लिए उन्होंने कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने कहा, "ईरान के पास 212 बहुत अच्छे हवाई जहाज थे, जिनमें से कुछ बराक ओबामा के जरिए अमेरिका से शानदार तरीके से खरीदे गए थे। उनका हर हवाई जहाज मार गिराया गया।" राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के नेताओं के जाने से किसी भी होने वाली बातचीत के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। ट्रंप ने कहा, "उनके पास कोई नेतृत्व नहीं है। उनका नेतृत्व समाप्त हो चुका है। उनका पहला, दूसरा, और तीसरा टूर आधा चला गया है। बातचीत करने के लिए कोई नहीं है। यह एक समस्या है।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ने कुछ मिसाइलें और ड्रोन अपने पास रखे हैं, लेकिन उन्हें बनाने की उसकी क्षमता बुरी तरह खराब हो गई है। उनके रडार और इंटेलिजेंस सिस्टम चले गए हैं। इससे पहले भाषण में, ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य ताकत के इस्तेमाल का बचाव करते हुए कहा कि यह तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है।

US प्रेसिडेंट ट्रंप किसे सौंपेंगे व्हाइट हाउस प्रेस सचिव की जिम्मेदारी? दावेदारों की दौड़ में कई नाम

नई दिल्ली। अमेरिकी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के पद छोड़ने के ऐलान के बाद अब उनकी जगह कौन लेगा? ट्रंप प्रशासन की ओर से मीडिया के सामने कौन आवाज बनेगा। ट्रंप प्रशासन में जल्द ही किसी नए बड़े चेहरे को मौका मिल सकता है। लेविट की जगह लेने के लिए कई नामों की चर्चा तेजी से होने लगी है। लेकिन लेविट के उत्तराधिकारी का चुनाव ट्रंप प्रशासन के लिए सामान्य नियुक्ति से कहीं ज्यादा अहम माना जा रहा है। हालांकि अभी तक ट्रंप ने किसी नाम पर अंतिम डिसीजन नहीं लिया है। हालांकि लेविट ने प्रशासन से पूरी तरह अलग न होने और बाहरी संचार सलाहकार के रूप में ट्रंप के साथ काम करते रहने की बात कही। आपको बता दें लेविट ऐसे समय पद छोड़ रही हैं, जब ट्रंप प्रशासन के सामने कई चुनौतियां हैं। ईरान के साथ लंबे समय से चल रहे युद्ध को लेकर ट्रंप पर दबाव है ,नवंबर में मध्यावधि चुनाव भी हैं। कैटी मिलर संभावित दावेदारों में शामिल हैं। मिलर पहले एलन मस्क के सरकारी दक्षता डिपार्टमेंट में काम कर चुकी हैं। कैटी मिलर अपना पॉडकास्ट भी चलाती हैं। अमेरिका की मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी मोनिका क्राउली भी दावेदार हैं, उनके पास पत्रकारिता और प्रशासन दोनों का अनुभव है। न्यू जर्सी की पूर्व कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी रह चुकी अलीना हब्बा उन नामों में शामिल हैं, जिन पर सबसे ज्यादा नजर है। वह व्हाइट हाउस में ट्रंप की सलाहकार के रूप में भी काम कर चुकी हैं। ट्रंप के कानूनी मामलों के दौरान उनकी वकील के रूप में काफी चर्चा में आई थीं।

हमले में बच्चों और महिलाओं की मौत के बाद बोले नेतन्याहू, 'हिजबुल्लाह नागरिकों को बना रहा है ढाल'

तेल अवीव। दक्षिणी लेबनान में इजरायली एयरस्ट्राइक के बाद इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया कि हिजबुल्लाह ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए इजरायली सैनिकों पर हमला किया, जिसमें तीन सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए। इसके जवाब में इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकाने पर हमला किया। लेबनान ने इन हमलों में नागरिकों के मारे जाने की बात कही है। इजरायली PMO ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हिजबुल्लाह ने सुरक्षा क्षेत्र में तैनात इजरायली सैनिकों पर हमला किया। इसमें 3 सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए। इसके बाद IDF ने उस हिजबुल्लाह मुख्यालय को निशाना बनाया, जहां से हमले का आदेश दिए जाने का दावा किया गया। नेतन्याहू के कार्यालय के मुताबिक, इजरायली सेना को बाद में पता चला कि जिस ठिकाने पर हमला किया गया, वहां नागरिक भी मौजूद थे। इजरायल का आरोप है कि हिजबुल्लाह जानबूझकर अपने नागरिकों को 'मानव ढाल' के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, ताकि बाद में इजरायल पर नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया जा सके। IDF के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान के अंसार इलाके में हिजबुल्लाह की रदवान फोर्स के एक केंद्रीय मुख्यालय को निशाना बनाया गया। सेना ने दावा किया कि हमले में रदवान फोर्स के बटालियन कमांडर अली समीर अल-हाज हसन और कई अन्य लोग मारे गए। IDF ने कहा कि हसन के परिवार के सदस्य भी मुख्यालय के अंदर मौजूद थे और हमले में उन्हें नुकसान पहुंचा। इनमें अंसार में मारे गए 3 बच्चे और 2 महिलाएं भी शामिल हैं।

खेल समाचार

वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर ICC कर रहा बड़ी प्लानिंग, गांधी जयंती के दिन खेला जा सकता है पहला मुकाबला

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर एक तरफ जहां इसमें हिस्सा लेने वाली टीमें अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में लगी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ आईसीसी शेड्यूल को अंतिम रूप देने में लगा हुआ है। इस बार वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन साउथ अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में कराया जाएगा, जिसको लेकर आईसीसी ने कुछ दिन पहले 12 वेन्यू के नामों का ऐलान किया था। अब आईसीसी पहले मुकाबले का आयोजन 2 अक्टूबर से कराने की योजना बना रहा है, जिस दिन गांधी जयंती भी होती है। आईसीसी की कोशिश इस कदम के जरिए पूरे विश्व को एक बड़ा संदेश भी देने की है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 2 अक्टूबर से कराने को लेकर क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल शांति और अहिंसा के समर्थक नेता के जीवन को सम्मान देने के लिए 2 अक्टूबर को टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बना रहा है। इससे साफ हो गया कि आईसीसी महात्मा गांधी की जयंती के दिन वर्ल्ड कप शुरू करना चाहता है, जिनका साउथ अफ्रीका से भी काफी गहरा नाता रहा है, जिसमें उन्होंने 21 साल अफ्रीका में बिताए हैं। शुरू में ICC ने अक्टूबर महीने के पहले हफ्ते में 1 से 7 अक्टूबर में वॉर्मअप मैच कराने के बाद 8 अक्टूबर से मुख्य टूर्नामेंट को शुरू करने की प्लानिंग की थी। जबकि वॉर्मअप मैच उससे पहले खेले जाएंगे।

देवदत्त पडिक्कल ने किया अपने मौके का इंतजार, बैटिंग कोच ने बताया COE में उन्होंने अपने गेम पर की काफी मेहनत

भारत और श्रीलंका के बीच में दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज गॉल में 15 अगस्त से खेले जा रहे पहले मुकाबले के साथ हो गया है। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया जिसे दिन का खेल खत्म होने पर देवदत्त पडिक्कल और केएल राहुल पूरी तरह से सही साबित करने में कामयाब रहे। राहुल जहां पहले दिन के खेल में 77 रन बनाकर खिंचाव की समस्या के चलते रिटायर्ड हर्ट हो गए तो वहीं पडिक्कल दिन के आखिर तक खेलने के साथ 131 रन बनाकर नाबाद थे। नंबर-3 की पोजीशन को लेकर पिछले काफी समय से टीम इंडिया लगातार परेशान चल रही थी, जिसमें अब पडिक्कल ने इस पोजीशन पर मिले मौके को पूरी तरह से भुनाया है जिनको साई सुदर्शन के चोटिल होकर बाहर हो जाने के बाद प्लेइंग 11 में शामिल किया गया। वहीं टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच ने सितांशु कोटक ने भी पडिक्कल की तारीफ करते हुए बताया कि उन्होंने अपने बैकफुट गेम और स्वीप शॉट पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में काफी काम किया है। देवदत्त पडिक्कल को लेकर गॉल टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच ने पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मैं उसके लिए बहुत खुश हूं क्योंकि वह सही में अपने मौके का इंतजार कर रहा था।

वर्ल्ड कप हमारे लिए अहम, उम्मीद है जीतेंगे: हरमनप्रीत सिंह

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप खिताब के लिए देश के 51 साल के इंतजार को खत्म करने की बात कही है। हरमनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, "वर्ल्ड कप हम सभी के लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि इस वर्ल्ड कप के बाद, आपको कभी नहीं पता होता कि क्या हो सकता है। टीम में कई सीनियर खिलाड़ी भी हैं, इसलिए हमारे लिए यह एक शानदार मौका है। हमने जितनी मेहनत की है और जिस तरह से ट्रेनिंग की है, हमें विश्वास है कि हम यह जरूर कर सकते हैं। यही हमारा एकमात्र लक्ष्य है, अपना बेस्ट देना और पदक जीतना। बेशक, टोक्यो और पेरिस में लगातार पदक जीतना हमारे लिए प्रेरक रहा है।" हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रतियोगिता में हम अंडरडॉग के तौर पर उतरेंगे, लेकिन यह हमारे पक्ष में हो सकता है। उम्मीदों का बोझ उठाने के बजाय, टीम इस टूर्नामेंट को वर्ल्ड स्टेज पर अपनी काबिलियत दिखाने के मौके के तौर पर देख रही है। उम्मीद है कि हम ट्रॉफी घर लाएंगे। यह सफर मुश्किल होगा, लेकिन हम तैयार हैं। कप्तान ने कहा कि हमारा मकसद ट्रॉफी उठाना है, हमारा डिफेंस हमारी नींव है।

लक्ष्य सेन: कॉमनवेल्थ में जीता स्वर्ण, ओलंपिक में भी देश को पदक की उम्मीद

भारत में बैडमिंटन बहुत ही तेजी से उभरता और लोकप्रिय होता खेल है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हासिल सफलता से वैश्विक स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। विश्व पटल पर तेजी से उभरे जिन भारतीय खिलाड़ियों का नाम प्रमुखता से लिया है, उनमें लक्ष्य सेन प्रमुख हैं। वह एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। लक्ष्य सेन का जन्म 16 अगस्त 2001 को अल्मोड़ा, उत्तराखंड में हुआ था। बैडमिंटन सेन को विरासत में मिला है। इस खेल में वह अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। बैडमिंटन में बेहतर करियर के लिए लक्ष्य 10 साल की उम्र में बेंगलुरु चले गए। उन्होंने विमल कुमार से बैडमिंटन की ट्रेनिंग ली है। प्रकाश पादुकोण उनके मेंटर रहे हैं। 2014 में, उन्होंने स्विस जूनियर इंटरनेशनल जीता। फिर फरवरी 2017 में वे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में नंबर एक जूनियर एकल खिलाड़ी बन गए। सेन 2018 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में चैंपियन बने, उन्होंने फाइनल में टॉप सीडेड वर्ल्ड जूनियर नंबर 1 कुनलावुत विटिडसार्न को 21-19, 21-18 से हराया। लक्ष्य ने यूथ ओलंपिक 2018 में मिश्रित टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जूनियर स्तर पर दमदार प्रदर्शन के सिलसिले को सेन ने सीनियर स्तर पर भी जारी रखा। उन्होंने 2021 विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य, थॉमस कप 2022 में पुरुष टीम के साथ स्वर्ण और थॉमस कप 2026 में पुरुष टीम के साथ कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य ने 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक और मिश्रित टीम के साथ रजत पदक जीता था। एशियन गेम्स 2022 में रजत पदक, एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में मिश्रित टीम के साथ कांस्य पदक, एशिया टीम चैंपियनशिप 2020 में कांस्य पदक उनके नाम दर्ज है। लक्ष्य सेन को 30 नवंबर, 2022 को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। लक्ष्य महज 25 साल के हैं। पेरिस ओलंपिक में वह एकल में चौथे स्थान पर रहे थे। खेल के प्रति उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए बैडमिंटन में उनसे ओलंपिक पदक की उम्मीद है। लक्ष्य सेन ने कम उम्र में ही भारतीय बैडमिंटन में अपनी अलग पहचान बना ली है।

जन्मदिन के मौके पर उनके अब तक के सफर पर नजर डालें तो उन्होंने जूनियर स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिताओं तक लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके खेल में आक्रामकता, कोर्ट कवरेज और दबाव के समय धैर्य उनकी बड़ी ताकत मानी जाती है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन के मंच तक पहुंचने का लक्ष्य सेन का सफर मेहनत और निरंतर अभ्यास की मिसाल है। परिवार से मिले खेल के माहौल ने उन्हें शुरुआती दौर में काफी मदद दी, लेकिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। महज 10 साल की उम्र में बेंगलुरु जाना उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा, जहां उन्होंने बेहतर प्रशिक्षण हासिल किया।

जूनियर स्तर पर उनकी उपलब्धियों ने यह संकेत दे दिया था कि वह भविष्य में भारतीय बैडमिंटन के बड़े खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। स्विस जूनियर इंटरनेशनल की जीत और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल करना उनके शुरुआती करियर की बड़ी उपलब्धियां रहीं। 2018 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में खिताब जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा को और मजबूत किया।

पीएम मोदी के संबोधन को खेल मंत्री ने किया शेयर, कहा- भारत 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार के तौर पर आगे बढ़ रहा है

भारत की आजादी की 80वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को लगातार 13वीं बार संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और ओलंपिक 2036 का भी जिक्र किया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रधानमंत्री के बयान को अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मनसुख मांडविया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पीएम मोदी की बातों का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "हम 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर आगे बढ़ रहे हैं और 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स को भारत होस्ट करने वाला है।" खेल मंत्री द्वारा शेयर किए गए वीडियो में देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने खेलों में भारत को मिल रही लगातार कामयाबी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "भारत खेल की दुनिया में अपनी जगह बना रहा है। अब खेल के पोडियम पर भारत का राष्ट्रगीत सुनाई देता है। भारत का राष्ट्रगान सुनाई देता है। तिरंगा लहराता दिखाई देता है। टॉप्स योजना ने बहुत बड़ी सफलता पाई है। खेल इंडिया गेम्स, यूनिवर्सिटी गेम्स, विंटर गेम्स, बिच गेम्स, खेल संरचनाएं, खेल के लिए कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्पोर्ट्स के लिए पोषण के क्षेत्र में भारत महारत हासिल कर रहा है।" मनसुख ने एक अन्य ट्वीट के जरिए पीएम मोदी की ओलंपिक में बाकी खेलों के जगह बनाने की बात को दोहराया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ओलंपिक के उन खेलों में भी जगह बनाने की अपील की, जिसमें भारत अभी शामिल नहीं है। उन्होंने कहा, "नौजवानों के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र खुल रहा है। भारत के पदकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हम 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर आगे बढ़ रहे हैं। 2030 में भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने वाला है। दुनिया में ओलंपिक खेलों में 40 प्रकार के खेल होते हैं जिसमें करीब 325 से 350 प्रतिस्पर्धाएं होती हैं। हम दो तिहाई खेलों में नहीं होते। हम क्वालीफाई नहीं करते।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "हम युवाओं से आग्रह करते हैं कि हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि हम जिन खेलों में क्वालीफाई नहीं कर पाते, उन पर ध्यान दें। हम इसके लिए प्रतिभा खोज अभियान चलाना चाहते हैं।"

केएल राहुल गॉल टेस्ट में दूसरे सेशन के बाद नहीं उतरे बल्लेबाजी करने

भारतीय टीम के श्रीलंका के दौरे का गॉल के मैदान पर खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के साथ हो गया है। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने गॉल टेस्ट मैच में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लेने में बिल्कुल भी देरी नहीं लगाई। इसके बाद टीम इंडिया ने पहला विकेट 47 के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल के रूप में गंवा दिया लेकिन यहां से केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल के बीच में दूसरे विकेट के लिए शानदार 150 रनों की साझेदारी देखने को मिली जिसमें दोनों दूसरे सेशन का खेल खत्म होने पर स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 197 रनों तक पहुंचा दिया था, लेकिन तीसरे सेशन का खेल जब शुरू हुआ तो राहुल जो 77 रन बना चुके थे वह बल्लेबाजी करने मैदान पर नहीं उतरे और रिटायर्ड हर्ट हो गए, जिसके पीछे उनके हाथ और पैरों में खिंचाव की समस्या को माना जा रहा है जिसके चलते उनको दिक्कत में भी देखा गया। गॉल टेस्ट मैच में दूसरे सेशन के दौरान केएल राहुल को हाथ और पैर दोनों में खिंचाव की समस्या के चलते परेशानी में देखा गया। दूसरे सेशन का खेल खत्म होने के बाद जब राहुल ड्रेसिंग रूम वापस लौटे तो उन्होंने फीजियो से इसे ठीक कराने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब वह आखिरी सेशन के लिए बल्लेबाजी करने पर जाने की कोशिश कर रहे थे तो उनको हाथ और पैरों में ऐंठन की समस्या के चलते काफी परेशानी में देखा गया। इसके बाद राहुल ने वापस ड्रेसिंग रूम जाने का फैसला लिया जिसमें कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे थे। केएल राहुल जब रिटायर्ड हर्ट हुए तो उस समय तक उन्होंने 162 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौके और एक छक्के की मदद से 77 रन बना लिए थे। ऐसे में वह आगे इस पारी में बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरेंगे या नहीं इसको लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। गिल ने अपनी इस पारी में 2 चौके भी लगाए। टीम इंडिया के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की रेस में बने रहने के लिए यह सीरीज काफी अहम है।

ग्रीम स्मिथ और केविन पीटरसन ने भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारतवासियों को स्वतंत्रता दिवस के 80वें वर्षगांठ पर बधाई दी है। ग्रीम स्मिथ ने एस20 से बातचीत में कहा, "भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर, मैं देश और दुनिया भर में सभी भारतीयों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खास रिश्ते का जश्न मनाता हूं।" उन्होंने कहा, "भारत हमेशा से मेरे लिए बहुत खास रहा है। वहां क्रिकेट खेलने के मेरे समय की कुछ प्यारी यादें हैं, और जो चीज हमेशा मेरे साथ रही है, वह है लोगों का अपनापन, संस्कृति की समृद्धि और क्रिकेट के प्रति असाधारण जुनून।" स्मिथ ने कहा, "भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बहुत खास दोस्ती है, और एसए20 के जरिए इस रिश्ते को बढ़ते देखना अविश्वसनीय रहा है, जिसमें इतने सारे भारतीय फैन लीग को अपना रहे हैं।" बाएं हाथ के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने आखिर में कहा कि क्रिकेट में लोगों को एक साथ लाने की एक अनोखी क्षमता है, और मुझे उम्मीद है कि यह खेल हमारे दोनों देशों के बीच संबंध को मजबूत करता रहेगा और हमारे लोगों को और भी करीब लाएगा।

पहली बार एक साथ हो रहा महिला और पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन

FIH हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज 15 अगस्त से होगा जिसका इंतजार फैंस काफी बेसब्री से कर रहे हैं। पहली बार महिला और पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन एक साथ किया जा रहा है, जिसमें 16 दिनों तक चलने वाले दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मुकाबले खेले जाएंगे। इस बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड संयुक्त रूप से मिलकर रहे हैं, जिसमें पुरुष और महिला दोनों में कुल 16-16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। वर्ल्ड कप के मुकाबले 2 वेन्यू पर खेले जाएंगे जिसमें फॉर्मेट में थोड़ा बदलाव किया गया है।

पहला ग्रुप स्टेज उसके बाद क्रॉसओवर पूल फिर सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले हॉकी वर्ल्ड कप में पुरुष और महिला दोनों टूर्नामेंट में भारतीय टीम हिस्सा ले रही है। पुरुष इवेंट में भारतीय टीम को पूल-डी में जगह मिली है, जिसमें उसके साथ वेल्स, पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीम है।

भारतीय पुरुष टीम अपने अभियान का आगाज का 15 अगस्त को होने वाले वेल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी जिसमें यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 4:30 से शुरू होगा।

वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में हारीं, लगातार 13वां एकल मैच गंवाया

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाईं। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है।

25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया। विलियम्स की दोपहर की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था।

अरांगो ने अपने पांच में से चार ब्रेक-पॉइंट चांस को बदला और अपनी पहली सर्व के बाद 71 प्रतिशत पॉइंट्स हासिल किए, जबकि विलियम्स अपने एक ब्रेक के मौके को भूना नहीं पाईं और अपनी पहली सर्व के सिर्फ 41 प्रतिशत पॉइंट्स ही जीत पाईं। अरांगो के मुताबिक, शुरुआत में बढ़त बनाने से उनका नर्वसनेस शांत हुआ और वह मुकाबले पर नियंत्रण रख पाईं।

अरांगो ने कहा, "मेरा नर्वसनेस थोड़ा कम हुआ, शायद थोड़ी सांस लेने की जगह मिली। मुझे लगता है कि मैंने बस उस पर टिके रहने का अच्छा काम किया, उसे जितना हो सके खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की।" कोलंबियन को दूसरे राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन और टॉप सीड इगा स्वियाटेक से खेलना होगा।

विलियम्स के लिए, यह हार एकल में मुश्किल प्रदर्शन का नतीजा थी, उनकी सबसे हालिया जीत पिछले साल के वाशिंगटन टूर्नामेंट में हुई थी जब उन्होंने पेटन स्टर्न्स को हराया था। अच्छी बात यह है कि मैं शॉट्स को नियंत्रित कर रही हूं।

सद्गुरु ने बताया गट हेल्थ को बेहतर रखने के लिए किन फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए

जागी वासुदेव सद्गुरु सोशल मीडिया पर अक्सर लोगों को फिट एंड हेल्दी रहने के लिए मोटिवेट करते रहते हैं। उनके अनुसार हमारी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा का मुख्य आधार हमारा गट हेल्थ यानी पाचन तंत्र है। जब आपकी आंतें स्वस्थ रहती हैं, तो शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है और दिमाग भी शांत और एकाग्र रहता है। आज के समय में कई लोग पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं। ऐसे में सद्गुरु ने पाचन को बेहतर बनाने के लिए नेचुरल, और आसानी से पचने वाले फूड्स के बारे में बताया है। उन्होंने बताया है कौन सी सब्जियों और फल को शामिल कर आप अपने गट हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं।

सफेद पेठाः सद्गुरु सफेद पेठे को हाई प्रैनिक फूड मानते हैं। इसका जूस सुबह खाली पेट पीने से आंतों की सफाई होती है, पेट की जलन शांत होती है और हानिकारक बैक्टीरिया दूर होते हैं।

पपीता और केलाः पपीते में मौजूद एंजाइम भोजन को जल्दी पचाने में मदद करते हैं। पका हुआ केला पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और आंतों में गुड बैक्टीरिया को पोषण देने का काम करता है।

लौकी और तोरीः पानी से भरपूर सब्जियां जैसे लौकी, तोरी और खीरा पाचन अग्नि को संतुलित रखती हैं और आंतों की अंदरूनी परत को चिकना बनाती है।

हरी पत्तेदार सब्जियांः पालक, मेथी और ताजी हरी पत्तियों में फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है, जो आंतों की सफाई को आसान बनाती है।

आंवला और नींबूः यह पाचन रस को सक्रिय करने और आंतों के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में फायदेमंद हैं।

कच्चा भोजन बढ़ाएंः अपनी डेली डाइट में कम से कम 30-40% हिस्सा कच्चे फल, ताजी सब्जियों और अंकुरित अनाज को शामिल करें। ये भोजन शरीर में पाचक एंजाइमों को बढ़ाता है।

डॉक्टर ने बताया गैस और ब्लोटंग की समस्या से छुटकारा दिलाते हैं किटन में रखी ये चीजें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, देर रात तक जागना, तनाव और प्रोसेस्ड या अत्यधिक मसालेदार भोजन का सेवन हमारे पाचन तंत्र को सीधे प्रभावित करता है। शारीरिक गतिविधि की कमी इस समस्या को और बढ़ा देती है, जिससे भोजन ठीक से नहीं पचता और पेट में गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या पैदा होती है। गैस और ब्लोटिंग की समस्या से छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग दवाओं का सेवन करते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि कुछ आसान घरेलू उपाय के जरिए आप आसानी से गैस और ब्लोटिंग की समस्या दूर कर सकते हैं। डॉक्टर शुभम वत्स ने बताया है कि गैस और ब्लोटिंग की समस्या से छुटकारा पाने के लिए किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

अजवाइन में 'थाइमोल' नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो गैस्ट्रिक जूस को उत्तेजित करता है और पाचन प्रक्रिया को तेज करता है। इसके लिए आप आधा चम्मच अजवाइन में एक चुटकी काला नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लें। इससे पेट की गैस आसानी से बाहर निकल जाएगी और ब्लोटिंग की समस्या नहीं होगी। सौंफ पाचन संबंधी समस्याओं, विशेषकर पेट में गैस और ब्लोटिंग को दूर करने में बेहद कारगर माना जाता है। इसमें मौजूद ऐनेथोल, फेनचोन और एस्ट्रागोल जैसे एसेंशियल ऑयल पेट की मांसपेशियों को राहत देकर पाचन क्रिया को सुचारू बनाते हैं। इसे आप चबाकर खा सकते हैं या फिर आप सौंफ की चाय भी बना सकते हैं। अदरक में मौजूद 'जिंजेरॉल' सूजन और गैस को कम करने में असरदार है। यह आंतों की मांसपेशियों को आराम देता है। खाना खाने के बाद अदरक का एक छोटा टुकड़ा चबाएं या अदरक की चाय का सेवन करें। इससे गैस की समस्या से आसानी से छुटकारा मिल सकता है। हींग गैस और पेट दर्द के लिए सबसे तेज़ काम करने वाले घरेलू उपचारों में से एक है। एक गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग मिलाकर पिएं। यदि छोटे बच्चे को यह समस्या है, तो हींग को थोड़े पानी में घोलकर नाभि के आसपास लगाएं। पुदीना आंतों की ऐंठन को कम करता है और भारीपन से राहत देता है। पुदीने की 5-6 पत्तियों को पानी में उबालकर पिएं या इसे छाछ में मिलाकर लें। इसके अलावा गैस और ब्लोटिंग से राहत पाने के लिए रोजमर्रा की कुछ आदतों में बदलाव करना भी जरूरी है। खाना हमेशा धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए।

इन 4 लोगों को सबसे ज्यादा परेशान कर सकता है UTI Infection

अगर आपका पेशाब खुल कर नहीं आ रहा और आपको लग रहा है कि ब्लैडर में हर समय थोड़ी-थोड़ी जलन हो रही है तो ये यूटीआई इंफेक्शन के लक्षण (UTI Infection Symptoms) हो सकते हैं। जी हां, भले ही आपको हैरानी हो लेकिन, यूटीआई आपको बीमार कर सकता है और आपके खाने-पाने से जुड़ी स्थतियों को प्रभावित कर सकता है। पर आपको समझना होगा कि आपको यूटीआई इंफेक्शन बार-बार (recurrent uti infection) क्यों होता है। क्या ये हमारे शरीर की गड़बड़ियों का संकेत है। तो, जानते हैं इन तमाम गड़बड़ियों का कारण। जब आपका ब्लड शुगर हाई होता है तो ये आपके पेशाब के जरिए बाहर आता है। इस दौरान ये ब्लैडर को प्रभावित करता है और इनके बैक्टीरिया को बढ़ाता है। इससे पेशाब में जलन हो सकती है, आपको बार-बार पेशाब लग सकता है पर असल में ये होता नहीं है और आपको ये लक्षण लंबे समय तक रहकर परेशान कर सकता है। किडनी में पथरी या किडनी इंफेक्शन यूटीआई होने के जोखिम को बढ़ाते हैं, क्योंकि वे मूत्र पथ को ब्लॉक कर सकते हैं और मूत्र का बैकअप ले सकते हैं, जिससे बैक्टीरिया को बढ़ने के लिए काफी समय मिलता है। इसलिए अगर इस स्थिति का आपको बार-बार सामना करना पड़ रहा है तो ये किडनी इंफेक्शन से जुड़ा हुआ हो सकता है। कब्ज होने से आपके मूत्राशय को पूरी तरह से खाली करना मुश्किल हो जाता है, जिसका मतलब है कि फंसे बैक्टीरिया को बढ़ने और संक्रमण पैदा करने के लिए बहुत समय मिलता है। दूसरी ओर, दस्त या मल असंयम से भी यूटीआई होने का खतरा बढ़ सकता है, क्योंकि ढीले मल से बैक्टीरिया आसानी से आपकी योनि और मूत्रमार्ग में अपना रास्ता बना सकते हैं। पीरियड्स के दौरान खराब हाइजीन आपको लंबे समय तक के लिए यूटीआई इंफेक्शन दे सकता है।

जावित्री खाने से मिलते हैं ये 5 बड़े फायदे, बीमारियों से बचने के लिए ऐसे करें सेवन

भारतीय घरों की किचन में मौजूद मसालों से कई बीमारियों का इलाज संभव है। आपने अपने घर में जायफल और जावित्री का इस्तेमाल खाने में कई बार किया होगा। दोनों एक ही पेड़ से निकलते हैं और खाने में इन्हें डालने से स्वाद और खुशबू बढ़ती है। जावित्री हल्के पीले, नारंगी या सुनहरे रंग का मसाला है, जो न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि औषधीय गुणों के कारण इसका उपयोग आयुर्वेदिक दवाइयों में भी किया जाता है। यहां हम आपको जावित्री के फायदे बताने वाले हैं, जिन्हें जानने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे। खानपान में गड़बड़ी के कारण अक्सर लोग पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। बाहर का तला-भुना खाना पाचन क्रिया को प्रभावित कर देता है, जिसे सही करने के लिए लोग दवाइयों का सहारा लेते हैं। ऐसे में अगर आप अपने खाने में जावित्री का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी पाचन क्रिया में सुधार होगा और पेट संबंधी समस्याएं भी कम होंगी। जावित्री में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, इसे खाने में शामिल करने से शरीर में ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है। जावित्री का इस्तेमाल आप अपने खाने में मसाले की तरह कर सकते हैं इसके अलावा जावित्री की चाय पीने से भी सेहत को अनेक फायदे मिलते हैं। मुंह के स्वास्थ का ध्यान न रखा जाए तो कई और गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ओरल हेल्थ को सुधारने के लिए भी जावित्री का उपयोग किया जाता है। एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर जावित्री में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। किडनी की सेहत के लिए भी जावित्री फायदेमंद साबित होती है। जावित्री में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो किडनी के लिए लाभदायक होते हैं। जावित्री का इस्तेमाल कई तरीकों से खाने में किया जा सकता है। शरीर में कैल्शियम की कमी से अक्सर लोगों को गठिया, जोड़ो में दर्द जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर जावित्री के सेवन से गठिया के दर्द व सूजन में कमी आती है। कई रिसर्च में सामने आया है कि जावित्री के सेवन से सूजन और दर्द को कम किया जा सकता है।

प्रेगनेंसी के दौरान डाइट में शामिल करें ये सोया से बनी ये हाई प्रोटीन चीज, जानें फायदे

प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी जाती है। लेकिन हर महिला के लिए प्रेगनेंसी का एक्सपीरिएंस बिल्कुल अलग होता है, किसी को खट्टा खाना पसंद होता है तो किसी को मीठी चीजें खाना पसंद होता है। वहीं कुछ महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान दूध और अंडे से नफरत हो जाती है। ऐसे में आप प्रेगनेंसी के दौरान अपनी डाइट में सोया से बनने वाला टोफू शामिल कर सकती हैं। टोफू खाने से न सिर्फ शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी होती है बल्कि कई अन्य फायदे भी मिलते हैं। आइए जानते हैं प्रेगनेंसी में टोफू खाने के फायदे। प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को कैल्शियम से भरपूर डाइट लेनी चाहिए, क्योंकि गर्भाशय में पल रहे शिशु के विकास के लिए भी कैल्शियम चाहिए होता है। ऐसे में अगर महिलाएं कैल्शियम से भरपूर खाना नहीं खाएंगी तो कैल्शियम डेफिशिएंसी के कारण अर्थराइटिस और ओस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। टोफू आपके डेली की कैल्शियम की जरूरत को पूरा कर सकता है। प्रेगनेंसी के दौरान अक्सर महिलाओं में एनीमिया की शिकायत हो जाती है, ऐसे में टोफू आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। टोफू में आयरन पाया जाता है, जिसे खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन प्रोडक्शन बढ़ सकता है। एनीमिया के कारण महिलाओं के सिर में दर्द और कमजोरी भी महसूस होने लगती है। ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर टोफू प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को दिल की समस्याओं से बचा सकता है। टोफू खाने से शरीर में ब्लड फ्लो बेहतर तरीके से काम करता है और कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी कंट्रोल में रहता है।

डेंगू के मरीज तेजी से प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

बारिश के मौसम में अगर सावधानी नहीं बरती जाए तो बहुत जल्द लोग डेंगू की चपेट में आ जाते हैं। डेंगू के शुरुआती लक्षण वायरल बुखार जैसे होते हैं लेकिन बाद में समस्या गंभीर होने लगती है। डेंगू होने पर सबसे ज्यादा समस्या प्लेटलेट्स काउंट के कम होने की होती है।

डेंगू के मरीज के प्लेटलेट्स तेजी से कम होते हैं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ता है। यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजें बताने वाले हैं जिन्हें खाने से शरीर में प्लेटलेट्स काउंट तेजी से बढ़ेगा। डेंगू के मरीजों के शरीर में प्लेटलेट बढ़ाने के लिए पपीते के पत्ते कारगर साबित होते हैं। पपीते के पत्तों में ऐसे एंजाइम होते हैं जो शरीर में जाकर प्लेटलेट काउंट को बढ़ाते हैं। इसके लिए आप पपीते के पत्तों को धोएं और फिर मिक्सी में पीस लें। इसके बाद इन्हें छानकर रस अलग कर लें। पपीते के पत्तों का रस कड़वा होता है लेकिन इससे प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं। आयुर्वेद में गिलोय से कई बीमारियों का इलाज संभव है, डेंगू की समस्या में भी गिलोय का सेवन फायदेमंद साबित होता है। प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए आप गिलोय को पानी में उबालकर पी सकते हैं, इसके अलावा बाजार में गिलोट की टेबलेट भी मिलती हैं। गिलोय के सेवन से प्लेटलेट्स जल्दी बढ़ते हैं।

योग गुरु रामदेव ने बताया जोड़ों के दर्द के लिए पीड़ांतक तेल, जानें इसे घर में बनाने का तरीका

100 करोड़, जी हां 100 करोड़ हम यहां भारत और चीन के बाद किसी तीसरे बड़े देश की आबादी नहीं दिखा रहे हैं। ये वो आंकड़ा है जिस पर पूरी दुनिया को गौर करने की जरुरत है नहीं तो आने वाले कुछ साल में दुनिया का हर आठवां शख्स बिस्तर और व्हील चेयर पर नजर आएगा। डरा नहीं रहे हैं, जगा रहे हैं। आंखें खोलने के लिए कह रहे हैं क्योंकि लोग गठिया की जिस बीमारी को मामूली दर्द मानकर चल रहे हैं वो दिनों दिन विकराल हो रहा है ना सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया में डिसेबिलिटी बांट रहा है और ये खुलासा किया है, मेडिकल जर्नल लैंसेट ने जिसके मुताबिक पिछले 30 साल में आर्थराइटिस के मरीज 132% बढ़े हैं। मतलब ये कि गर्दन, पीठ, कमर, घुटनों में दर्द और हड्डियों की परेशानी से जूझ रहे मरीज 1990 में जहां करीब 25 करोड़ थे वो अब 60 करोड़ से ज्यादा हो गए हैं और जो लैंसेट की वॉर्निंग है उसके मुताबिक 2050 तक ये आंकड़ा 100 करोड़ तक पहुंच जाएगा। उसमें भी 15 परसेंट यानी 15 करोड़ से ज्यादा 30 साल के युवा पेशेंट होंगे। एक और बात इसमें मोटापा बड़ा रोल प्ले कर रहा है और ये रिपोर्ट कोई हवाहवाई नहीं है। 200 से ज्यादा देशों के पिछले 30 साल के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद ये रिपोर्ट तैयार की गई है। इससे हड्डियां कमजोर हो रही हैं तो दूसरी तरफ वीक स्ट्रक्चर पर बॉडी वेट बढ़ रहा है। ऐसे में आप गठिया के उन 100 करोड़ की आबादी में शामिल ना हों, इसके लिए जरुरी है अभी से प्रीकॉशनरी मेजर्स अप्लाई करने की और इसके लिए योग-आयुर्वेद से बेहतर कुछ भी नहीं है।

इन विटामिन की कमी वाले लोगों को ज्यादा होती है एसिडिटी

क्या आप एसिडिटी से परेशान हैं और आपको रेगुलर खट्टी डकार आती रहती है? तो डाइट और लाइफस्टाइल के अलावा ये आपके पेट से भी जुड़ा हुआ हो सकता है। दरअसल, जब आपको पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं तो ये एसिडिटी ज्यादा बनती है। इसे ऐसे समझें कि पेट में एसिड का ज्यादा प्रोडक्शन जो कि खाना पचाने के बाद भी बच गया है और ये खट्टी डकार के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे में विटामिन बी12 की कमी इस स्थिति में अलग ही भूमिका निभा सकती है। ये आपके शरीर में एसिड प्रोडक्शन को प्रभावित करती है और पेट से जुड़ी इन समस्याओं का कारण बन सकती है। कैसे, जानते हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित शोध में सीने में जलन और विटामिन बी-12 की कमी के बीच संबंध पाया गया है। खट्टी डकार और एसिडिटी असल में गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (GERD) के तहत आते हैं। जब आपके शरीर में बी-12 की कमी होती है तो शरीर में एसिड का अवशोषण बंद हो सकता है जिससे आपको खट्टी डकार और एसिडिटी की समस्या परेशान कर सकती है। इसे ऐसे समझें कि शरीर में कोई चीज पैदा हो रही है और शरीर इसे अवशोषित नहीं कर पा रहा है तो ये जमा होने लगती है, जैसे एसिड जूस जो कि GERD की स्थिति में ले आती है।

कैसा भी हो कब्ज पेट साफ कर देगा गर्म पानी, जानें इस समस्या में इसे पीने के फायदे

कब्ज में गर्म पानी पीने के फायदेः कब्ज अब लोगों के लिए आम समस्या बनती जा रही है। खराब डाइट और लाइफस्टाइल से जुड़ी कमियों का इस स्थिति में बड़ा योगदान रहा है। लेकिन, अगर हम कुछ बातों का ख्याल रखें तो कब्ज की समस्या से बच सकते हैं। जैसे कि कुछ बदलाव जो कि डाइट से जुड़ा हुआ हो सकता है। ऐसा ही एक बदलाव है गर्म पानी का सेवन (warm water in constipatio)। दरअसल, गर्म पानी पीना आपके बॉवेल मूवमेंट को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और इस स्थिति से आपको बाहर निकाल सकता है। कैसे, जानते हैं कब्ज में गर्म पानी पीने के फायदे और नियम। कब्ज में गर्म पानी पीना बॉवेल मूवमेंट को तेज करने में मदद कर सकता है। ये आपके आंतों के काम काज में तेजी लाता है जिससे मल त्याग आसान होता है। गर्म पानी पीने से होता ये है कि ये आंतों में जमा मल को पिघलाता है और मलाशय में एक प्रेशर क्रिएट करता है जिससे पेट में हलचल होती है और मल फ्लश ऑउट होता है। इसे आप ऐसे समझें कि गर्म पानी मल जैसे वेस्ट प्रोडक्ट को शरीर से डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। कब्ज का एक कारण कठोर मल भी है जो कि मल त्याग को मुश्किल बना देता है जिससे पेट साफ नहीं होता।

शोध में हुआ बड़ा खुलासा! साल 2050 तक दुनियाभर में होंगे गठिया के सौ करोड़ मरीज

गठिया की बीमारी बड़ी तेजी से फैल रही है। पहले जहां इस बीमारी को सिर्फ लोगों की उम्र और अनुवांशिक कारणों से जोड़कर देखा जाता था, अब इसके पीछे कई ऐसे कारण हैं जो कि आपकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा हुआ हो सकता है। दरअसल, Institute for health metrics and evaluation में छपी एक रिपोर्ट की मानें तो गठिया का एक बड़ा कारण मोटापा हो सकता है। इस लिहाज से आने वाले सालों में गठिया के मरीज तेजी से बढ़ सकते हैं। इस शोध में साफ शब्दों में बताया गया है कि साल 2050 तक दुनियाभर में गठिया के सौ करोड़ मरीज हो सकते हैं। क्यों और कैसे, तो विस्तार से जानते हैं इस शोध के बारे में। Institute for health metrics and evaluation की इस रिपोर्ट की मानें तो, दुनियाभर में 30 साल या इससे ऊपर की 15 प्रतिशत आबादी इस बीमारी की शिकार है। जबकि साल 2020 तक 59.5 प्रतिशत लोग ही इसके शिकार थे। अब इस शोध के जरिए अनुमान लगाया जा रहा है कि साल 2050 तक दुनियाभर में लगभग 1 अरब लोग यानी कि 100 करोड़ लोग इस बीमारी के शिकार हो सकते हैं। इस शोध को लैंसेट ने प्रकाशित किया है और बताया कि इस तरह से गठिया बढ़ने का असल कारण मोटापा हो सकता है। दरअसल, मोटापा बढ़ने से शरीर के अतिरिक्त वजन के कारण जोड़ों पर अधिक भार पड़ना है, जिससे आर्टिकुलर कार्टिलेज (articular cartilage) को नुकसान होता है। इससे हड्डियों में सूजन के साथ दर्द की समस्या बढ़ती है और आप आसानी से गठिया की बीमारी के शिकार हो सकते हैं। इसके अलावा जब आपका मोटापा बढ़ता है तो, फैट की मात्रा शरीर और मांसपेशियों में भी बढ़ती है। इससे मूवमेंट्स मुश्किल हो जाते हैं, ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और फिर गठियों में दर्द की समस्या शुरू होती है। तो, गठिया की बीमारी से बचना है तो मोटापा कंट्रोल करें। इसके लिए शुगर कंट्रोल करें, एक्सरसाइज करें और डाइट का खास ख्याल रखें। ताकि, शरीर का भार आपकी हड्डियों को न झेलना पड़े। इसके अलावा गठिया से बचाव के लिए केवल वजन कम करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजमर्रा की जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव करना भी महत्वपूर्ण है। नियमित शारीरिक गतिविधि से मांसपेशियां मजबूत रहती हैं और जोड़ों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, अगर पहले से जोड़ों में दर्द या सूजन है तो बहुत अधिक वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने के बजाय डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह के अनुसार गतिविधियां करनी चाहिए। डाइट की बात करें तो अत्यधिक मीठे, तले-भुने और ज्यादा कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करना बेहतर है। भोजन में सब्जियां, फल, साबुत अनाज, दालें और पर्याप्त प्रोटीन शामिल करने से वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है।

यूपी-उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में आज भी आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग (IMD) ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी बारिश की चेतावनी (ऑरेंज अलर्ट) जारी की है। अगले 24 घंटे के दौरान में छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन-चार दिनों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तेलंगाना, बिहार और विदर्भ में आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने का भी अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, रविवार को हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश हो सकती है, जबकि उत्तराखंड में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है।

8वीं पुण्यतिथि पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को देश कर रहा नमन, राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

आठवीं पुण्यतिथि पर पूर्व पीएम और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को देश नमन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनके स्मारक 'सदैव अटल' पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी के पहले अटलजी के समाधि स्थल 'सदैव अटल' पर पहुंच कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत दूसरे बड़े नेता भी अटल जी के समाधि स्थल पर पहुंच कर श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया। सुशासन और जन-कल्याण पर उनका ज़ोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।' सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्श राजनीति के शिखर पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सीएम योगी ने एक्स पर कहा, 'अटल जी ने अपने ओजस्वी चिंतन, मर्यादित आचरण और कर्मनिष्ठ जीवन से भारतीय लोकतंत्र में शुचिता, राजनीति में नैतिकता तथा राष्ट्रसेवा के उच्च आदर्श स्थापित किए। उनका संपूर्ण जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत उदाहरण है। राष्ट्रोन्नति के प्रति उनके अटूट संकल्प आज भी प्रत्येक देश वासी को 'विकसित भारत' के निर्माण हेतु निरंतर प्रेरित करते हैं।' देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी की आज 8वीं पुण्यतिथि है। 16 अगस्त 2018 को दिल्ली के एम्स

में 93 साल की उम्र में उनका निधन हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर देशभर में उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल रहे, जिन्होंने अपनी राजनीतिक कुशलता के साथ-साथ अपनी वाकपटुता और संवेदनशील व्यक्तित्व से भी अलग पहचान बनाई। वे तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे।

उनका पहला कार्यकाल 1996 में 13 दिनों का था, जबकि 1998-99 में उन्होंने दोबारा प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 1999 से 2004 तक उन्होंने पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी को एक प्रखर वक्ता, कवि और कुशल राजनेता के तौर पर याद किया जाता है। उनके नेतृत्व में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया और देश की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को नई गति मिली।

उनकी सरकार के दौरान स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को आगे बढ़ाया गया। अटल बिहारी वाजपेयी को साल 2015 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उनकी राजनीति में विरोधियों के प्रति सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की मिसाल आज भी दी जाती है।

देहरादून में बुजुर्ग महिला से दिनदहाड़े चेन झपटकर भाग निकला बदमाश, CCTV में दिखी वारदात

देहरादून। देहरादून के वसंत विहार इलाके में दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात सामने आई है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश महिला के गले से चेन झपटकर फरार होता नजर आ रहा है। चेन झपटने के दौरान महिला सड़क पर गिर गई और चोट लगने के बाद कुछ देर तक उठ भी नहीं पाई। खास बात यह है कि वसंत विहार क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर चेन स्नैचिंग की यह दूसरी वारदात बताई जा रही है, जिससे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश की जा रही है। महिला के साथ चेन स्नैचिंग की ये वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि काले कलर की टीशर्ट पहने युवक पहले महिला से स्कूटर रोककर बात करता है और कुछ पूछता है। इसके बाद महिला, बदमाश की बातों में आकर उसे कुछ बताने लगती है। इसके बाद मौका पाकर बदमाश अचानक महिला के गले की तरफ झपटता है और चेन खींचकर स्कूटर भगा ले जाता है। अचानक हुए इस हमले से महिला संभल नहीं पाती है और बुरी तरह गिर जाती है। इसके बाद महिला कई बार जमीन से उठने की कोशिश करती है लेकिन वह उठ नहीं पाती और फिर जमीन पर ही लेट जाती है। उम्र अधिक होने के कारण महिला को काफी चोट आई है और वह इस हमले की वजह से सदमे में हैं। बताया जा रहा है कि वसंत विहार क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर चेन स्नैचिंग की ये दूसरी घटना है। इस मामले के सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। एक ही इलाके में 24 घंटे के अंदर 2 घटनाएं हो जाएं और पुलिस के हाथ खाली रहें, ये पुलिस के लिए भी शर्मिंन्दा करने वाली बात है। इलाके के लोगों में इन दो घटनाओं के बाद डर का माहौल है और लोग अकेले घर से बाहर निकलने में भी कतरा रहे हैं। जब दिनदहाड़े बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हों तो रात में तो वह किसी भी तरह की घटना को अंजाम दे सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही चेन स्नैचिंग की घटनाओं से महिलाओं और बुजुर्गों में विशेष रूप से डर का माहौल है। लोगों ने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और मुख्य सड़कों के साथ-साथ कॉलोनियों के अंदर भी पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि दिन के समय भी अगर इस तरह की वारदातें हो रही हैं तो सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता से समीक्षा किए जाने की जरूरत है। पुलिस ने घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस बदमाश के आने-जाने वाले रास्ते की भी जानकारी जुटा रही है, ताकि उसके भागने की दिशा का पता लगाया जा सके। घटना के बाद पुलिस ने लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है।

बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनकर लगभग तैयार, मुंबई-सूरत के वीडियो आए सामने, देखें अंदर से कैसा है डिजाइन

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) परियोजना के तहत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और सूरत स्टेशनों पर निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत में स्टेशन लगभग बन चुका है और इसमें यहां की डायमंड इंडस्ट्री की झलक देखने को मिल रही है। वहीं, मुंबई में तेजी से काम जारी है और यहां भी जल्द ही स्टेशन बनकर तैयार हो जाएगा। मुंबई में बीकेसी स्टेशन इस 508 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का शुरुआती पॉइंट होगा। यह स्टेशन जमीन के लगभग 30 मीटर नीचे बनाया जा रहा है। यहां खुदाई और फाउंडेशन का काम अंतिम चरण में है। निर्माण स्थल पर बड़े पैमाने पर खुदाई, मशीनरी और भूमिगत संरचनाओं का काम दिख रहा है। सूरत में स्टेशन का स्ट्रक्चरल और रूफिंग कार्य पूरा हो चुका है। अब इंटीरियर फिनिशिंग का काम चल रहा है। स्टेशन का डिजाइन सूरत के हीरे काटने वाले उद्योग से प्रेरित है। स्टेशन के अंदर सीढ़ियां, प्लेटफॉर्म, छत और ट्रैक बिछाने का काम भी जारी है। सूरत स्टेशन पर "सूरत" का साइनबोर्ड भी लगा दिया गया है। यह हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर मुंबई से अहमदाबाद तक फैला है और ट्रेनें 320 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलेंगी। इससे उम्मीद बन रही है कि महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों को जल्द ही बुलेट ट्रेन में सफर करने का मौका मिल सकता है।

पैदा हुआ 2 सिर और 8 पैरों वाला बछड़ा,5 घंटे चली सर्जरी, डॉक्टरों ने बताई वजह

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के तेनाली मंडल से एक बेहद विचित्र और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एरुकलापुडी स्थित एक आयुर्वेदिक आश्रम में एक गाय ने दो सिर और आठ पैरों वाले एक अत्यंत अनोखे बछड़े को जन्म दिया है। कुदरत के इस अजीबोगरीब रूप को देखकर न केवल स्थानीय लोग और आश्रम प्रशासन दंग रह गए, बल्कि प्रसव कराने आए पशु चिकित्सक भी आश्चर्यचकित हो गए। यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और बछड़े को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। घटना एरुकलापुडी स्थित आयुर्वेदिक आश्रम की है, जहां एक गाय को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। स्थिति सामान्य न लगने पर आश्रम प्रबंधन ने तुरंत पशुपालन विभाग के डॉक्टरों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे पशु डॉक्टरों की टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत रेस्क्यू-प्रसव शुरू किया। लगभग 5 घंटे तक चले लंबे और कठिन प्रसव ऑपरेशन के बाद जब बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाला गया, तो उसकी शारीरिक बनावट देखकर खुद डॉक्टर भी चकित रह गए।

बछड़े के स्पष्ट रूप से दो जुड़े हुए सिर और आठ पैर थे। जैसे ही दो सिर और आठ पैरों वाले बछड़े के जन्म की बात फैली, एरुकलापुडी ही नहीं बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में लोग आश्रम पहुंचने लगे। हर कोई इस अनोखे जीव की एक झलक पाने को उत्सुक नजर आया। आश्रम परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसे बाद में नियंत्रित किया गया। फिलहाल यह विचित्र बछड़ा पूरे इलाके में कौतूहल और चर्चा का मुख्य केंद्र बना हुआ है। पशु चिकित्सकों के अनुसार, इस तरह की शारीरिक संरचना सामान्य नहीं होती और इसके पीछे भ्रूण के विकास के दौरान होने वाली असामान्यताएं जिम्मेदार हो सकती हैं। दो सिर वाले बछड़े के मामले को वैज्ञानिक रूप से बाइसेफली (Bicephaly) जैसी जन्मजात विकृति से जोड़ा जा सकता है, जिसमें एक ही शरीर पर दो सिर विकसित हो जाते हैं। वहीं आठ पैरों की मौजूदगी भी भ्रूण के विकास में गंभीर असामान्यता की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस विशेष मामले में वास्तविक कारण की पुष्टि विस्तृत पशु चिकित्सा जांच के बाद ही हो सकेगी।

तीज माता की भव्य शोभायात्रा से गुलजार हुआ जयपुर, छोटी चौपड़ पर हुई महाआरती

लोकनृत्य, शाही सवारी और महाआरती से सजा तीज उत्सव, देश-विदेश से पहुंचे पर्यटक

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर तीज के रंग में रंगी नजर आई। ऐतिहासिक परकोटे की सड़कों से निकली भव्य तीज माता शोभायात्रा ने शहर की समृद्ध लोक परंपराओं, संस्कृति और रीति-रिवाजों को जीवंत कर दिया। शोभायात्रा में लोक कलाकारों की

आकर्षक प्रस्तुतियों और विभिन्न सांस्कृतिक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा के छोटी चौपड़ पहुंचने पर तीज माता की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती के दौरान पूरा वातावरण भक्ति और आस्था से सराबोर नजर आया। बड़ी संख्या में शहरवासी और पर्यटक इस आयोजन के साक्षी बने। महाआरती में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। तीज उत्सव ने जयपुर की पारंपरिक संस्कृति, लोक कलाओं और राजस्थान की गौरवशाली विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। उत्सव में शहरवासियों और देश-विदेश से आए पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इससे पहले लोककलाकारों ने लोक नृत्य और तलवारबाजी का प्रदर्शन किया। शाही सवारी के लाइव टेलीकास्ट के लिए 13 जगहों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई। इस बार सवारी में घोड़ों और ऊंटों की संख्या बढ़ाई गई। तीज सवारी में करीब 175 लोक कलाकार शामिल हुए। बाड़मेर से आए कलाकार 25 किलो वजनी भारी-भरकम पगड़ी पहनकर शाही सवारी में शामिल हुए। शौर्य सेवा संगठन की बालिकाओं ने तलवारबाजी का प्रदर्शन किया। कलाकारों ने कच्छी घोड़ी, गैर, कालबेलिया, चरी-घूमर, चंग-ढप, मांगणियार गायन, भपंग, रावणहत्था, कठपुतली और बहुरूपिया जैसी लोक विधाओं की प्रस्तुतियां दी। शोभायात्रा के दौरान कलाकारों की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों ने परकोटे के पूरे मार्ग को उत्सव के माहौल में बदल दिया। राजस्थान की पारंपरिक लोक विधाओं की विविधता ने देश-विदेश से आए पर्यटकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कच्छी घोड़ी, कालबेलिया और घूमर की प्रस्तुतियों के साथ चंग-ढप और मांगणियार गायन ने वातावरण को राजस्थानी रंगों से भर दिया। शाही सवारी में शामिल कलाकारों की वेशभूषा भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। बाड़मेर से आए कलाकारों की भारी पगड़ियां और पारंपरिक परिधान लोगों के आकर्षण का केंद्र बने। वहीं, घोड़ों और ऊंटों की बढ़ी संख्या ने शोभायात्रा के भव्य स्वरूप को और खास बना दिया। तलवारबाजी के प्रदर्शन में बालिकाओं ने अपनी कला और साहस का शानदार परिचय दिया। शाही सवारी को अधिक से अधिक

लोगों तक पहुंचाने के लिए शहर के 13 प्रमुख स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं। बड़ी संख्या में लोगों ने मार्ग के दोनों ओर खड़े होकर तीज माता की सवारी का स्वागत किया और पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया।

नोएडा सेक्टर-51 से सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाला एसी स्काईवॉक जनता के लिए कब से खुलेगा?

नोएडा। नोएडा अथॉरिटी के सूत्रों के मुताबिक, सेक्टर-52 और सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशनों को जोड़ने वाला पहला एसी स्काईवॉक अब 16 अगस्त से जनता के लिए नहीं खुलेगा। पहले इस स्कॉईवॉक को पब्लिक के लिए 16 अगस्त से ही खोले जाने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन तकनीकी वजहों से इसे अब 25 अगस्त तक खोले जाने का लक्ष्य रखा गया है। तकनीकी जांच के लिए स्कॉईवॉक का ट्रायल रन 16 अगस्त से शुरू हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, स्काईवॉक के ट्रायल रन की मीडिया कवरेज की जा सकती है। स्काईवॉक के एंट्री और एग्जिट पॉइंट लगभग तैयार हैं, लेकिन दोनों तरफ कुछ काम अभी बाकी है। अथॉरिटी के अधिकारियों ने इसे पूरी तरह तैयार करने के लिए करीब एक सप्ताह और इंतजार करने को कहा है। ये स्काईवॉक सेक्टर-52 (ब्लू लाइन) और सेक्टर-51 (एक्वा लाइन) मेट्रो स्टेशनों को आपस में जोड़ेगा। अथॉरिटी का मानना है कि स्कॉईवॉक शुरू होते ही यहां फुटफॉल तेजी से बढ़ सकता है, इसलिए अंतिम चरण के काम में किसी तरह की कमी या तकनीकी चूक नहीं रहनी चाहिए। स्काईवॉक का काम एक पिलर सामने आने के कारण अटक गया था। पिलर को काटने या न काटने को लेकर काफी समय तक चर्चा हुई। अभी थोड़ा काम बाकी है, जिसे अधिकतम एक सप्ताह पूरा करने में लगेगा।

'दिल्ली के निर्माण की शक्ति बनेगी युवा प्रतिभा', CM रेखा गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं से की खास अपील

नई दिल्ली। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत 2047 के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करने में दिल्ली अग्रणी भूमिका निभाएगी और इस विशेष जिम्मेदारी का नेतृत्व दिल्ली के युवा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का युवा जागरूक, तकनीक से जुड़ा और नवाचार की सोच रखने वाला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का युवा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने की क्षमता रखता है। वह केवल तकनीक का उपयोग नहीं करता, बल्कि नई तकनीक और नवाचार विकसित करने की क्षमता भी रखता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने विचारों को स्टार्टअप, अपनी रचनात्मकता को नवाचार, अपने प्रश्नों को शोध और अपनी संवेदनशीलता को समाज सेवा में बदलें। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा ही विकसित भारत और विकसित दिल्ली के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बनेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, " पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दिल्ली के प्रति उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती हूं। आपके नेतृत्व में विकसित भारत की दहलीज पर पहला कदम दिल्ली रखेगी।" उन्होंने कहा कि दिल्ली Active भी है, दिल्ली Attentive भी है और दिल्ली Attractive भी है। आज दिल्ली का युवा टेक्नोलॉजी जानता है। दुनिया से कनेक्टेड है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in